मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शनिवार, 16 अगस्त 2025

संवत 2082, भाद्रपद कृष्ण पक्ष 7 मूल्य 2 रुपये

वर्ष-8, अंक 343 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ विभाजन विभीषिका दिवस: मजहबी कट्टरता का तांडव

इंग्लैंड में शानदार प्रदर्शन करने वाले शुभमन गिल पर मुझे गर्व है: युवराज सिंह 6

रांची पहुंचा शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन का पार्थिव शरीर जमशेदपुर में होगा अंतिम संस्कार, एक दिन का राजकीय शोक

- राज्यपाल संतोष गंगवार सहित कई नेताओं ने किया शोक व्यक्त,दी श्रद्धांजलि
- श्री सोरेन का इलाज के दौरान कल दिल्ली में निधन हो गया था

संवाददाता

रांची: शिक्षा मंत्री और झामुमो के वरिष्ठ नेता रामदास सोरेन का पार्थिव शरीर शनिवार सुबह दिल्ली से रांची लाया गया। बिरसा मुंडा हवाई अड्डे पर कार्यकर्ताओं और समर्थकों की भीड़ उमड़ पड़ी। हजारों लोग नम आंखों से अपने प्रिय नेता को अंतिम विदाई देने पहुंचे।

बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से विधानसभा तक श्रद्धांजलि का सिलसिलाः दिल्ली से लाए गए पार्थिव शरीर को सबसे पहले बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर झामुमो कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इसके बाद शव यात्रा विधानसभा परिसर पहुंची, जहां विधानसभा अध्यक्ष रवीन्द्रनाथ महतो, पूर्व मंत्री बादाल पत्रलेख, विधायक राजेश काछप, प्रदीप यादव सहित कई मंत्री और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। सभी ने नम आंखों से अपने साथी को अंतिम विदाई दी।

झामुमो कार्यालय में भी उमड़े लोगः विधानसभा से पार्थिव शरीर को झामुमो कार्यालय ले जाया गया, जहां आम कार्यकर्ताओं और जनता के दर्शनार्थ रखा गया। यहां भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और अपने प्रिय नेता को अंतिम नमन किया। वातावरण गमगीन रहा और सोरेन दादा अमर रहें के नारों से पूरा इलाका गूंज उठा।

घाटशिला में होगा अंतिम संस्कारः नेताओं को अंतिम श्रद्धांजलि देने के बाद रामदास सोरेन का पार्थिव शरीर उनके विधानसभा क्षेत्र घाटशिला ले जाया जाएगा। वहां अंतिम यात्रा निकाली जाएगी और पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। शव को जमशेदपुर स्थित आवास पर भी आम जनता के दर्शन के लिए रखा जाएगा। राज्यपाल संतोष गंगवार सहित कई नेता हुए शामिलः झारखंड के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के निधन के बाद शनिवार को विधानसभा परिसर में उनके पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए रखा गया। इस दौरान झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार, कई मंत्रियों, विधायकों और वरिष्ठ नेताओं ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

हादसे के बाद बिगड़ी थी हालतः गौरतलब है कि दो अगस्त को जमशेदपुर स्थित आवास में बाथरूम में गिरने से रामदास सोरेन को गंभीर चोट लगी थी। ब्रेन हेमरेज के बाद उन्हें एयरलिफ्ट कर दिल्ली के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां डॉक्टरों की देखरेख में उनका इलाज जारी था, लेकिन शुक्रवार रात उन्होंने अंतिम सांस ली।

शिक्षा मंत्री के निधन पर मुख्यमंत्री ने जताया दुख

ऐसे छोड़ कर नहीं जाना था रामदास दा ....

रांची/ नई दिल्ली: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के निधन पर शोक व्यक्त किया। राज्य के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने शुक्रवार रात राजधानी दिल्ली के सरिता विहार जसोला स्थित इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनके निधन से झारखंड में शोक की लहर दौड़ गयी है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया एक्स पर शोक संदेश में लिखा, ऐसे छोड़ कर नहीं जाना था रामदास दा। अंतिम जोहार दादा।"

पुत्र ने सोशल मीडिया के माध्यम से दी जानकारीः रामदास सोरेन के पुत्र ने सोशल मीडिया के माध्यम से यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अत्यंत ही दुख के साथ यह बता रहा हूं कि मेरे पिताजी रामदास सोरेन जी अब हमारे बीच नहीं रहे। गौरतलब है कि शिक्षा मंत्री सोरेन दो अगस्त को जमशेदपुर स्थित अपने आवास पर बाथरूम में गिर गए थे। जिससे उनके सिर में गंभीर चोट आई थी। उन्हें जमशेदपुर के अस्पताल में भर्ती किया गया था लेकिन हालत गंभीर देखते हुए दिल्ली रेफर किया गया। डॉक्टरों की ओर से बताया गया था कि उन्हें मस्तिष्काघात हुआ था जिससे उनके दिमाग ने काम करना बंद कर दिया था।

पिता के दशकर्म में मुख्यमंत्री ने निभाया पुत्र धर्म, मुंडवाया बाल और दाढ़ी

रांची/नेमरा: बीते शुक्रवार को झारखंड के पूर्व सीएम शिबू सोरेन के पैतृक आवास रामगढ़ के नेमरा में उनके दशकर्म की परंपरा निभाई गई। इस दौरान मुख्यमंत्री हेमंत ने अपने पिता के दशकर्म पर परंपरा के अनुसार बाल-दाढ़ी मुंडवाया।

मुख्यमंत्री हेमंत ने ही नहीं बल्कि शिबू सोरेन के सबसे छोटे बेटे बसंत सोरेन समेत परिवार के सभी पुरुषों ने संताली रीति-रिवाज से दशकर्म की परंपरा के अनुसार बाल-दाढ़ी मुंडवाया। वहीं, परिवार की महिलाओं ने नाखून काटकर दशकर्म की परंपरा पूरी की। आज यानी 16 अगस्त को शिबू सोरेन के होने वाली संस्कार भोज की तैयारियां जोरशोर से चल रही हैं।

झारखंड के पूर्व सीएम शिबू सोरेन का 4 अगस्त को दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। इसके बाद से ही सीएम हेमंत नेमरा में रुके हुए हैं। वह अब तक अपने पिता के श्राद्ध कर्म से जुड़ी सारी रस्में निभाते आ रहे हैं जिसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर देखी गई है।

22 से 28 अगस्त तक झारखंड विस का मानसून सत्र, अनुपूरक बजट होगा पेश

रांची : झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र अब 22 से 28 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा। राज्य सरकार ने इसकी आधिकारिक घोषणा कर दी है। सात दिनों तक चलने वाले इस सत्र में कई महत्वपूर्ण विधायी कार्यों पर चर्चा होने की संभावना है। गौरतलब है कि पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन के निधन के बाद मानसून सत्र को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था। उस समय सरकार अनुपूरक बजट पेश नहीं कर पाई थी। अब इस सत्र में अनुपूरक बजट पेश कर उसे पारित कराने की कोशिश की जाएगी।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यह सत्र सरकार और विपक्ष दोनों के लिए अहम रहेगा। सरकार अनुपूरक बजट और विकास योजनाओं को सदन में रखने की तैयारी कर रही है, वहीं विपक्ष बेरोजगारी, महंगाई, कानून-व्यवस्था, बिजली संकट और किसानों की समस्याओं जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने की रणनीति बना रहा है। विधानसभा सचिवालय ने सत्र के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। सुरक्षा व्यवस्था, कार्यसूची और विधायी कार्यों की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया जा रहा है। उम्मीद है कि यह सत्र झारखंड की राजनीति में कई महत्वपूर्ण फैसलों और तीखी बहसों का साक्षी बनेगा।

भारत पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने के फैसले को टाल सकता है अमेरिका

नई दिल्ली: डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन रूस से तेल खरीद पर भारत पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने के अपने फैसले को टाल सकता है, ऐसा इसलिए माना जा रहा है क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति ने बयान दिया है कि रूस पहले ही एक प्रमुख तेल ग्राहक (भारत) को खो चुका है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से अलास्का में बैठक के लिए जाते समय एयर फोर्स वन में फॉक्स न्यूज से बातचीत करते हुए कहा कि अमेरिका उन देशों पर अतिरिक्त टैरिफ नहीं लगा सकता जो रूस से कच्चा तेल खरीदना जारी रखे हुए हैं। ट्रंप ने कहा, उन्होंने (व्लादिमीर पुतिन) ने अपना एक अहम ग्राहक खो दिया है, जो कि भारत है और करीब 40 प्रतिशत रूसी तेल खरीद रहा है। वहीं, चीन भी ऐसा ही कर रहा है। अगर मैंने अतिरिक्त टैरिफ लगाए तो यह उनके लिए विनाशकारी होगा। अगर मुझे लगता है कि यह जरूरी है, तो मैं करूंगा। हो सकता है मुझे यह न करना पड़े। अमेरिका की ओर से भारत पर 27 अगस्त से 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने का ऐलान किया गया है। इस हफ्ते की शुरूआत में, अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा था कि अगर अलास्का शिखर सम्मेलन में ट्रंप और पुतिन के बीच चीजें ठीक नहीं रहीं , तो रूसी तेल खरीदने के लिए भारत पर अतिरिक्त टैरिफ और बढ़ सकते हैं। अमेरिकी टैरिफ पर भारत सरकार पहले ही कह चुकी है कि उन्हें निशाना बनाना अनुचित और अविवेकपूर्ण है। सरकार ने कहा, किसी भी बड़ी अर्थव्यवस्था की तरह, भारत अपने राष्ट्रीय हितों और आर्थिक सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाएगा। इसके अतिरिक्त, इस साल की शुरूआत से भारत ने अमेरिका से तेल और गैस की खरीद में तेज वृद्धि की है। इसके परिणामस्वरूप, अमेरिका के साथ भारत के ट्रेड सरप्लस में कमी आई है, जो ट्रंप प्रशासन की व्यापार नीति का एक प्रमुख लक्ष्य है। आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि इस साल जनवरी से जून तक अमेरिका से भारत का तेल और गैस आयात 51 प्रतिशत तक बढ़ गया है। अमेरिका से देश का एलएनजी आयात वित्तीय वर्ष 2024-25 में लगभग दोगुना होकर 2.46 अरब डॉलर हो गया, जो 2023-24 में 1.41 अरब डॉलर था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फरवरी में आश्वासन दिया था कि भारत अमेरिका के व्यापार घाटे को कम करने में मदद के लिए अमेरिका से ऊर्जा आयात को 2024 के 15 अरब डॉलर से बढ़ाकर 2025 में 25 अरब डॉलर कर देगा। इसके बाद, सरकारी स्वामित्व वाली भारतीय तेल और गैस कंपनियों ने अमेरिकी कंपनियों से और अधिक दीर्घकालिक ऊर्जा खरीद के लिए बातचीत शुरू कर दी।

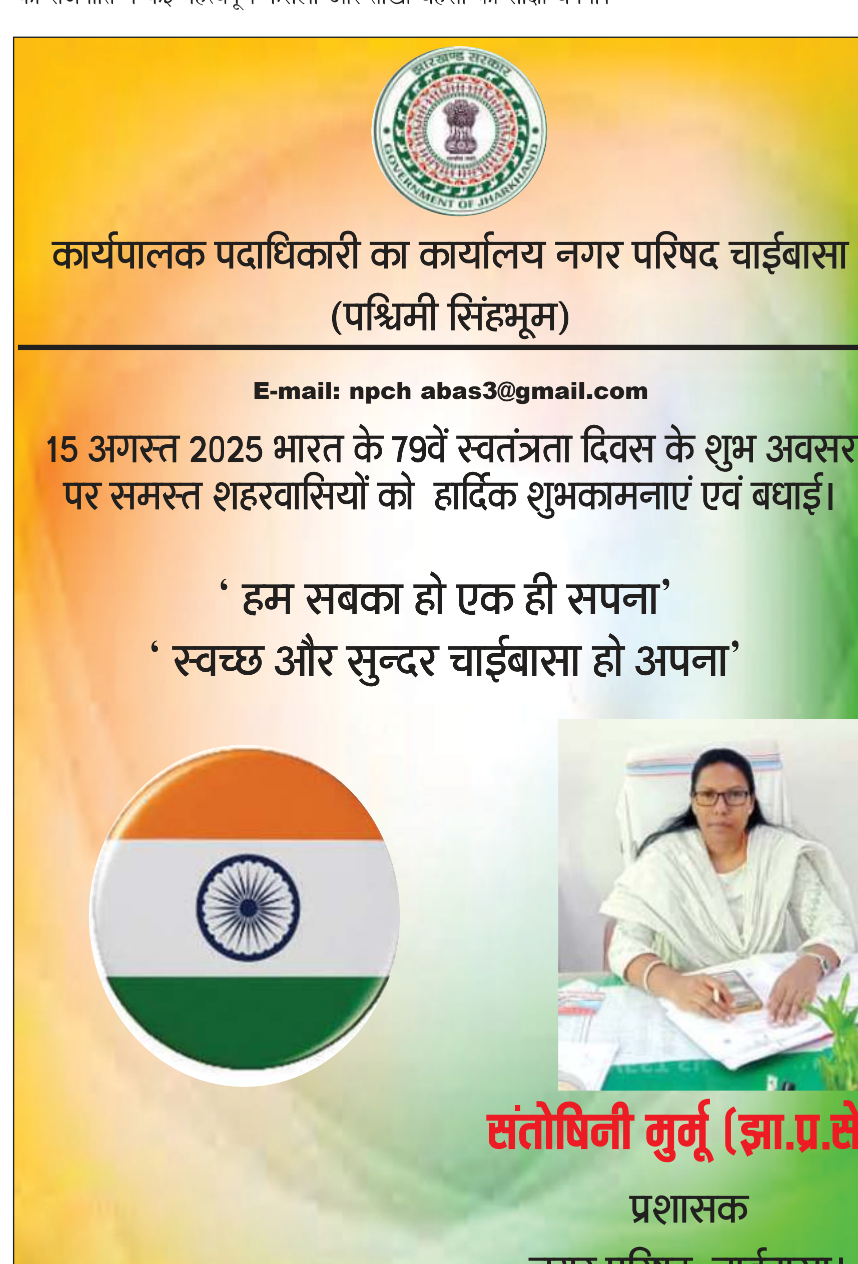

न्यूज IN ब्रीफ

22 साल बाद मिले लोयोला स्कूल खूंटी के 2003 बैच के दोस्त, ताजा की बचपन की यादें

नवनीत रंजन/ खूंटी: कहते हैं कि दोस्ती दुनिया का सबसे पवित्र रिश्ता होता है, और बचपन की दोस्ती तो जीवनभर की धरोहर बन जाती है। इसी भावना को साकार किया लोयोला स्कूल, खूंटी के 2003 बैच के पूर्व छात्रों ने, जो 22 साल के लंबे अंतराल के बाद स्वतंत्रता दिवस के मौके पर एक बार फिर उसी स्कूल में मिले, जहाँ कभी साथ पढ़ते, खेलते और शरारतें करते थे।

आज सभी दोस्त अलग-अलग व्यवसायों में सफलता की इबारत लिख रहे हैं–कोई डॉक्टर है, तो कोई वकील, कोई पुलिस अधिकारी, तो कोई पत्रकार। लेकिन हर किसी के मन में बचपन की वही मासूम यादें और दोस्तों से मिलने की तड़प बसी थी। इसी ख्वाहिश को पूरा करने केदार महतो, आशीष चौधरी, बिपुल तिवारी, सचिन गुप्ता, नवनीत रंजन, रमीज राजा, राहुल गुप्ता, विष्णु पोद्दार, ईमिल काण्डुलन और अमित दास जैसे दोस्तों ने अपनी व्यस्त जिंदगी से समय निकाला और अपने पुराने स्कूल पहुँचे। स्कूल पहुँचकर उन्होंने अपने पुराने शिक्षकों फादर अमृत और समपाई एजाज असद से मुलाकात की। शिक्षकों ने जब देखा कि उनके शिष्य आज समाज में अपनी एक अलग पहचान बना चुके हैं, तो उनकी आँखें गर्व से चमक उठीं। फादर अमृत ने कहा, हमेशा याद रखो, शिक्षा और मेहनत ही सफलता की कुंजी है। आप सभी ने स्कूल का नाम रोशन किया है।

दोस्तों ने स्कूल की हर जगह को फिर से निहारा–वही क्लासरूम, मैदान और वो पेड़, जहाँ वे खेलते थे। कई पुराने किस्से याद आए, कुछ शरारतें फिर से जिंदा हो उठीं। सचिन गुप्ता ने हँसते हुए कहा, ₹याद है, हमलोग इसी मैदान में फुटबॉल खेलते थे और बार-बार डांट पड़ती थी? दिनभर की मस्ती और यादों के बाद सभी दोस्तों ने एक-दूसरे से विदा ली, लेकिन इस बार मन में यही प्रण लेकर कि अब ऐसी मुलाकातें नियमित होनी चाहिए। केदार महतो ने कहा, दोस्ती कभी दूरी नहीं मानती। हम सभी आज भी वैसे ही हैं, जैसे 2003 में थे। इस तरह, लोयोला स्कूल के इन पूर्व छात्रों ने साबित किया कि बचपन की दोस्ती कभी नहीं मरती, बस यादों में सिमटकर रह जाती है।

डिवाइडर बना मौत का फंदा, रोज हो रही दुर्घटनाएं

खूंटी : शहर में पुलिस प्रशासन द्वारा लगाए गए ब्रेकेटिंग डिवाइडर लोगों के लिए सुविधा की जगह मुसीबत बनते जा रहे हैं। आए दिन हो रही दुर्घटनाओं और जानमाल के नुकसान के चलते खूंटी अब हादसों का शहर कहलाने लगा है। सबसे ज्यादा खतरनाक स्थिति बाजार टांड़ के मुख्य मार्ग पर बीच सड़क में लगे डिवाइडर की है, जो रात के अंधेरे में कई बार दुर्घटनाओं का कारण बन रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इन डिवाइडरों पर रेडियम रिफ्लेक्टर नहीं लगे होने के कारण रात में वाहन चालकों को ये नजर नहीं आते, जिससे गाड़ियां उनसे टकरा जाती हैं। इससे वाहनों को भारी क्षति के साथ-साथ लोगों के घायल होने की भी घटनाएं सामने आ रही हैं। 15 अगस्त की रात एक बार फिर एक अनजान वाहन इसी डिवाइडर से टकराया, जिससे डिवाइडर के कई टुकड़े 50 फीट से भी ज्यादा दूर तक बिखर गए। सड़क पर वाहन का मलबा छितरा पड़ा था, जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि टक्कर कितनी जबरदस्त रही होगी। हालांकि, चालक ने वाहन को घटनास्थल से हटा दिया, जिससे यह पता नहीं चल पाया कि किसी को चोट आई या नहीं, लेकिन डिवाइडर और वाहन की हालत देखकर स्पष्ट है कि यह हादसा कितना भयानक रहा होगा। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि या तो इन डिवाइडरों को हटा दिया जाए या फिर इन पर पूरी तरह से रेडियम रिफ्लेक्टर लगाए जाएँ, ताकि रात में ये चालकों को दिखाई दें। उनका कहना है कि अभी यह डिवाइडर सुविधा के बजाय लोगों के लिए जानलेवा साबित हो रहा है। लगातार हो रही इतनी गंभीर घटनाओं के बावजूद अभी तक प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। लोगों ने कई बार शिकायत की है, लेकिन न तो डिवाइडर हटाए गए हैं और न ही उन पर रिफ्लेक्टर लगाए गए हैं।

अपराधियों ने की किसान की निर्मम हत्या

खूंटी : थाना क्षेत्र के जियरप्पा गांव में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहाँ अज्ञात अपराधियों ने एक किसान की निर्मम हत्या कर दी। पीड़ित 55 वर्षीय सुखुआ पाहन को उनके घर से मात्र 100 मीटर दूर धारदार हथियार से मार डाला गया।

गुरुवार शाम करीब सात बजे सुखुआ पाहन अपने घर से निकले थे और गांव की एक दुकान के पास देखे गए। वे कुछ देर बाद घर लौटे, लेकिन उसके बाद उनके दोबारा बाहर जाने की जानकारी किसी को नहीं थी। शुक्रवार सुबह करीब पाँच बजे, जब परिजन घर से बाहर निकले, तो उन्हें सुखुआ का शव घर से कुछ दूरी पर औंधे मुंह पड़ा मिला। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँची और जाँच शुरू कर दी। पुलिस ने मृतक के परिजनों और गांववालों से पूछताछ की। घटनास्थल से एक मोबाइल फोन, गांजा का पुड़िया, चप्पल और एक चाकू बरामद किया गया है। गाँव वालों के अनुसार, सुखुआ पाहन एक सीधे-सादे किसान थे और हाल ही में उन्होंने एक डीजे खरीदा था। अभी तक किसी से उनकी दुश्मनी की कोई जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए विस्तृत जाँच कर रही है। हत्या का कारण और आरोपियों की पहचान अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाई है। ग्रामीणों में इस घटना से सदमा है, और पुलिस से त्वरित कार्रवाई की मांग की जा रही है। फिलहाल मामला गहन जाँच के दायरे में है।

खूंटी में धूमधाम से हुआ स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन

खूंटी: जिले के कचहरी मैदान में 79वां स्वतंत्रता दिवस उत्साह और जोश के साथ मनाया गया। इस अवसर पर एसएसबी, लोयोला स्कूल, उसुर्लाइन, डीएवी, कस्तूरबा बालिका विद्यालय और बैंड टुकड़ियों सहित कुल 13 प्लाटून ने परेड में हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि के रूप में जिला उपायुक्त आर. रॉनिटा ने झंडोत्तोलन किया, जबकि पुलिस अधीक्षक मनीष टोप्पो भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से परेड में शामिल सभी टुकड़ियों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर जिले के विभिन्न विभागों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 29 कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। साथ ही, परेड में बेहतर प्रदर्शन करने वाली टुकड़ियों को भी पुरस्कृत किया गया।उपायुक्त आर. रॉनिटा ने अपने संबोधन में जिलावासियों को संबोधित करते हुए जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति के बारे में जानकारी दी।

शिबू सोरेन का श्राद्ध कर्म आज, उमड़ेगा जनसैलाब

दो लाख लोगों के आने की उम्मीद

चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात,की गई व्यापक व्यवस्थाएं

संवाददाता

रांची : रामगढ़ स्थित पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के पैतृक गांव नेमरा में शनिवार को होने जा रहे श्राद्ध कर्म के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। राज्य की राजधानी रांची से लगभग 70 किलोमीटर दूर स्थित इस गांव में होने जा रहे श्राद्ध कर्म में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित कई गणमान्य लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।

बताया जा रहा है कि लोगों की संभावित भारी भीड़ को देखते हुए, सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए हैं। लोगों की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के प्रबंधन के लिए नेमरा में एक समर्पित नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है।" सुरक्षा के लिए भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 10 अधिकारी, 60 पुलिस उपाधीक्षक, 65 निरीक्षक और 2,500 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। पुलिस, प्रशासनिक कर्मचारियों और स्वयंसेवकों वाली बहु-एजेंसी टीम प्रभावी भीड़ प्रबंधन, आपातकालीन परिस्थिति और कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए चौबीसों घंटे कार्यरत रहेंगी।" श्राद्ध कर्म के लिए आदिवासी रीति-रिवाजों के अनुसार व्यवस्थाएं भी की जा रही हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने वरिष्ठ अधिकारियों को परिवहन, स्वच्छता, भोजन वितरण, स्वास्थ्य सेवा, आवास और जन सुरक्षा जैसी सेवाओं के लिए निर्बाध समन्वय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक सुविधाजनक आवाजाही के लिए 300 से अधिक ई-रिक्शा निर्धारित पार्किंग क्षेत्रों और कार्यक्रम स्थल के बीच चलाए जाएंगे। तीन बड़े पार्किंग क्षेत्र विकसित किए गए हैं, जिनमें से प्रत्येक में जैव शौचालय बनाए गए हैं। इसके अलावा, आगंतुकों की सुविधा के लिए विश्राम स्थल और विशेष पैदल मार्ग भी बनाए गए हैं।" तीन बड़े भोजन पंडालों में खानपान की व्यवस्था की गई है, जहां पारंपरिक श्राद्ध भोजन और प्रसाद परोसा जाएगा। गुरुजी के नाम से प्रख्यात रहे शिबू सोरेन के जीवन और योगदान की स्मृति में एक विशेष प्रदर्शनी और स्मृति दीर्घा भी स्थापित की जा रही है। इस प्रदर्शनी में दुर्लभ तस्वीरें, ऐतिहासिक दस्तावेज और उनके राजनीतिक जीवन के प्रमुख पड़ाव प्रदर्शित किए जाएंगे, जिनमें आदिवासी कल्याण और जनसेवा में उनके योगदान पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। श्राद्ध कर्म में बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।

विशाल जनसैलाब के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। लगभग 8 से 10 विशाल वाटरप्रूफ पंडालों का निर्माण किया जा रहा है, जिनमें से प्रत्येक में एक समय में 5,000 लोग आराम से बैठकर भोजन कर सकेंगे। मेहमानों की सुविधा और सम्मान का पूरा ध्यान रखा गया है। संस्कार भोज में झारखंडी संस्कृति और स्वाद की झलक देखने को मिलेगी। रांची और बंगाल के 1,000 से अधिक अनुभवी कुक और वेटर मेहमानों की सेवा में तत्पर रहेंगे। मेन्यू में पारंपरिक और स्वादिष्ट व्यंजनों की एक लंबी सूची है, जिसमें दही-चूड़ा-गुड़, दाल तड़का, साग, बैंगन भाजी, पूरी, कचौड़ी, मिक्स वेज, आलू-बैंगन, मटर पनीर, कोंहड़ा-आलू, बुंदिया, रायता जैसे शाकाहारी व्यंजन शामिल हैं। इसके साथ ही, मांसाहार पसंद करने वालों के लिए भी अलग से व्यवस्था की गई है। अति विशिष्ट, विशिष्ट और आम अतिथियों के लिए अलग-अलग भोजन क्षेत्र बनाए गए हैं ताकि व्यवस्था सुचारू रूप से चलती रहे। यह संस्कार भोज सिर्फ एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि झारखंड की सामूहिक संस्कृति, गुरुजी के प्रति अटूट सम्मान और उनकी विरासत को याद करने का एक सशक्त माध्यम बन रहा है। इस आयोजन में शामिल होने वाला हर व्यक्ति गुरुजी के योगदान को नमन करेगा और उनकी प्रेरणा को आगे बढ़ाएगा।

जन शिक्षण संस्थान में मना स्वतंत्रता दिवस

संवाददाता

खूंटी : 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन जन शिक्षण संस्थान खूंटी के प्रांगण में बड़े धूमधाम से किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि बिरसा मुंडा राज्य स्तरीय किसान सलाहकार समिति के अध्यक्ष और जन शिक्षण संस्थान खूँटी के बोर्ड ऑफ मेनेजमेंट के सदस्य, संकल्प संस्थान के डायरेक्टर राजेश कुमार महतो, नॉलेज हब संस्थान के डायरेक्टर पंकज कुमार नाग, ज्योति सांगा, ट्रेनर्स संगीता कुमारी, काजल, रूपांजली, सूचित टूटी एवं मनीषा कुमारी उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम का आरंभ ध्वज तोलन के साथ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि बिरसा मुंडा ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। जन शिक्षण संस्थान खूंटी के निदेशक राजेश शर्मा ने स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सभी उपस्थित व्यक्तियों को स्वतंत्रता के महत्व और उसके प्रति जिम्मेदारी की प्रेरणा दी। आज के दिन नया भारत का संकल्प लेते हुए कौशल विकास के माध्यम से विकसित भारत 2047 के सपनें को साकार करने के लिए संयुक्त भारत की भावना का जश्न मनाते हुए विकास के पथ पर आगे बढ़ने की बात रखी। कार्यक्रम पदाधिकारी सुब्रत सेन प्रधान ने भारत की अनेकता में एकता का जिक्र करते हुए धर्म, जाति और क्षेत्रवाद से उपर उठकर देश को अपना परिवार मानते हुए विकास के पहिए को आगे बढ़ाने पर बल दिया। संकल्प संस्थान से आयी ताबिंदा मिस्कत द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर प्रेरणा दायक भाषण दिया तथा स्वतंत्रता के लिए शहीद जवानों के बलिदान को याद दिलाते हुए देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझने और देश को विकास की ओर बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर में चोरी

गेट की कुंडी तोड़कर पंखा सहित कई सामान उठा ले गये चोर

संवाददाता

चतरा : जिले के हंटरगंज प्रखंड के जबड़ा पंचायत अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिर बांका में चोरी की घटना हुई। अज्ञात चोरों ने एचडबल्यूसी के लोहे के दो गेट की कुंडी तोड़कर सात पंखा, दो कुर्सी, एक स्टूल, दो बीपी मशीन, एक ब्लड शुगर मशीन, एक नल और एक कैची की चोरी कर ली। सीएचओ नीरज कुमार ने इस संबंध में हंटरगंज थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि नित्य प्रतिदिन की तरह सुबह 9 बजे एचडबल्यूसी खोलने पहुंची एएनएम दुर्गावती ने देखा कि मेन गेट का ताला टूटा हुआ है वही एचडबल्यूसी के अंदर प्रवेश करने पर देखा कि पंखा सहित कई सामग्री को अज्ञात चोरों ने चोरी कर चंपत हो गए। इधर जानकारी मिलते ही हंटरगंज थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। पुलिस अज्ञात चोरों की धर पकड़ में जुटी है।

देशभक्ति के रंग में रंगा चतरा

स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह में उपायुक्त ने फहराया तिरंगा

दिया विकास और एकता का संदेश

उत्कृष्ट कार्य करने वाले पदाधिकारियों व कर्मियों को मिला प्रशस्तिपत्र

संवाददाता

चतरा : पूरे देश के साथ-साथ चतरा जिले में भी 79वां स्वतंत्रता दिवस हर्ष, उल्लास और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। प्रातः 8:00 बजे समाहरणालय परिसर, चतरा में उपायुक्त कीर्तिश्री ने ध्वजारोहण कर राष्ट्रध्वज को सलामी दी। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल शामिल हुए। ध्वजारोहण के पश्चात, दोनों वरीय पदाधिकारियों ने फांसीहारी तालाब स्थित शहीद स्मारक स्थल, पोस्ट ऑफिस चौक स्थित बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा एवं विनय भारती पार्क में माल्यार्पण कर शहीदों एवं महापुरुषों को नमन किया। इसके साथ ही रेड क्रॉस भवन, पोस्ट ऑफिस चौक में भी ध्वजारोहण किया गया। मुख्य समारोह जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, चतरा में आयोजित हुआ, जहाँ उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने फूलों से सुसज्जित वाहन पर सवार होकर पुलिस बल, एनसीसी कैडेट्स एवं स्कूली बच्चों की परेड का निरीक्षण किया। तत्पश्चात उपायुक्त ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर सलामी दी तथा राष्ट्रगान गाया गया। इस अवसर पर कस्तूरबा विद्यालय की छात्राओं द्वारा बैंड पार्टी का आकर्षक प्रदर्शन प्रस्तुत किया गया, जिसने पूरे वातावरण को देशभक्ति की भावना से सराबोर कर दिया। समारोह में उपायुक्त ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिले के दर्जनों पदाधिकारियों एवं कर्मियों को प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर सम्बोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा आज का दिन हम सभी भारतीयों के लिए स्वर्णिम क्षण है। यह न केवल स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को स्मरण करने का अवसर है, बल्कि राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका को पुनः दृढ़ करने का संकल्प भी है। झारखंड ने 15 नवंबर 2000 से देश की प्रगति में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है और चतरा जिला भी विकास की नई गाथा लिख रहा है। उपायुक्त ने देश की स्वतंत्रता संग्राम में चतरा की धरती पर अमर शहीद हुए सूबेदार नादिर अली खान एवं जय मंगल पांडेय सहित सभी अमर शहीद स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करते हुए कहा कि उनकी कुबार्नी ही आज हमारी आजादी का आधार है।अपने संबोधन के दौरान उपायुक्त ने जिले में संचालित एवं क्रियान्वित विभिन्न योजनाओं के संदर्भ में विस्तृत रूप से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मंईया सम्मान योजना के तहत 1,77,289 महिलाओं एवं युवतियों को जुलाई 2025 तक 1,77.26 करोड़ की राशि का भुगतान किया गया।सर्वजन पेंशन योजना में 1,11,244 लाभुकों को 44.50 करोड़ की मासिक पेंशन का वितरण। सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना में इस वर्ष 3,900 छात्राओं को शिक्षा हेतु आर्थिक सहायता। पीवीटीजी समुदाय के 83 टोलों में शिविर आयोजित कर 6,431 लाभुकों को आधार, राशन कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, छात्रवृत्ति, वन पट्टा, बैंक खाता, पेंशन आदि से आच्छादित किया गया।

विद्युतीकरण और आधारभूत संरचनाः सभी ग्रामों में बिजली हर हाल में पहुँचाने के लिए राज्य सरकार कृतसंकल्प है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री उज्ज्वल झारखण्ड योजना के तहत जिले के छूटे हुए 258 ग्राम/टोलों का विद्युतीकरण पूर्ण किया जाएगा, जिससे मार्च 2026 तक इन सभी टोलों में बिजली पहुँचेगी। इनमें से कई टोलों में आजादी के बाद पहली बार बिजली पहुँचेगी। इसके अलावा, पीवीटीजी योजना के अंतर्गत 18 विशेष रूप से कमजोर जनजातीय (पीवीटीजी) टोलों में विद्युतीकरण कार्य जारी है, जिसमें अब तक 191 घरों में बिजली कनेक्शन दिया जा चुका है। फ्लूरर योजना के तहत 16,187 उपभोक्ताओं के घरों में स्मार्ट मीटर लगाने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें से 8,486 घरों में सफलतापूर्वक स्थापना की जा चुकी है। इस कार्य को सितंबर 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित है। जिले में सड़क एवं आधारभूत संरचना विकास के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत वर्ष 2019-20 से अब तक कुल 376.36 किलोमीटर लंबाई की 41 कालीकरण पथों का निर्माण पूर्ण किया गया है। इसी योजना और मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजना के अंतर्गत 14 पुलों का निर्माण भी संपन्न हुआ है। मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना तथा मुख्यमंत्री ग्राम सड़क सुदृढ़ीकरण योजना के तहत 357 किलोमीटर लंबाई की 51 पथों का निर्माण किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त पीएम जनमन योजना के तहत इस वर्ष 7 सड़कों का निर्माण 11 करोड़ 63 लाख रुपये की लागत से कराया जाएगा। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी भारत माला परियोजना के तहत वाराणसी से कोलकाता तक 4/6 लेन ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे का निर्माण किया जा रहा है, जो हमारे जिले के हंटरगंज, चतरा, पत्थलगड्डा और सिमरिया प्रखंड से होकर गुजरेगा। इस परियोजना के लिए 500 एकड़ भूमि का अधिग्रहण कर 200 करोड़ रुपये का मुआवजा भुगतान कर दिया गया है। शेष रैयतों का मुआवजा भुगतान कर शीघ्र कार्य प्रारंभ कराने के लिए जिला प्रशासन प्रयासरत है। साथ ही जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट फंड से वित्तीय वर्ष 2024-25 में जिले के विभिन्न प्रखंडों में 107 पीसीसी पथों के निर्माण की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन की सुविधा और विकास कार्यों को और गति मिलेगी।

शिक्षा में प्रगतिः शिक्षा के क्षेत्र में भी चतरा जिले के प्रदर्शन में सुधार हुआ है। जिले में तीन मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों की स्थापना की गई है, जहाँ सीबीएसई बोर्ड के अनुसार पढ़ाई होती है। इन विद्यालयों में इस समय 1,891 छात्र-छात्राएँ नामांकित हैं। 154 विद्यालयों में स्मार्ट क्लास के माध्यम से आधुनिक शिक्षण कार्य संचालित हो रहा है, 124 विद्यालयों में आईसीटी लैब, 22 विद्यालयों में साइंस लैब और 29 विद्यालयों में व्यावसायिक प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त, विद्यालयों में स्मार्ट किचन, ओपन जिम, शुद्ध पेयजल, अग्निशामक यंत्र, एसटीईएम लैब, तड़ित चालक जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। पठन-पाठन के लिए अतिरिक्त कमरों, बाउंड्री वॉल और शौचालय का निर्माण भी डीएमएफटी फंड से किया जा रहा है। जिले के विद्यार्थियों की उच्च स्तरीय पढ़ाई के लिए चतरा कॉलेज परिसर में डिस्ट्रिक्ट लाइब्रेरी-कम-ऑनलाइन स्टडी सेंटर का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है, जिसे शीघ्र ही छात्रों को समर्पित किया जाएगा। साथ ही, कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार और उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करने के उद्देश्य से प्रत्येक शुक्रवार को रेल टेस्ट का आयोजन किया जा रहा है, जिसकी मॉनिटरिंग जिले के वरीय पदाधिकारियों द्वारा की जा रही है।

रोजगार और आजीविकाः मनरेगा के तहत अगस्त 2025 तक 26 लाख मानव दिवस सृजित, 50% से अधिक महिलाएं लाभान्वित। बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत 1,701 एकड़ में पौधरोपण। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) में 15,523 स्वीकृति, 250 आवास पूर्ण। अबुआ आवास योजना में 22,255 स्वीकृति, 1,014 आवास पूर्ण। झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रोमोशन सोसाइटी के तहत 12,087 सखी मंडलों का गठन, 1.36 लाख परिवार जुड़े। इटखोरी प्रखंड का धनखेरी उछान्नु राष्ट्रीय स्तर पर तीसरे स्थान पर। कृषि और पशुपालनः सहकारिता विभाग से 5,311 किसानों को 990 क्विंटल बीज उपलब्ध। धान अधिप्राप्ति में 2,734 किसानों से 1,54,312 क्विंटल धान की खरीद। मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना से 56 किसानों को दुधारू गाय, 19 को बोरिंग योजना का लाभ। आकांक्षा कृषि उद्यम मेला में 500 से अधिक किसानों की भागीदारी, 40 से अधिक स्टॉल, बाजार से सीधा संपर्क स्थापित।

पेयजल और स्वास्थ्यः जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों के 143892 (एक लाख तैतालिस हजार आठ सौ बानबे) घरों में नल से शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में भी राज्य सरकार और जिला प्रशासन पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रहा है। राज्य सरकार द्वारा अबुआ स्वास्थ्य योजना की शुरूआत की गई है, जिसके अंतर्गत 15 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी उपचार योजना के तहत विभिन्न असाध्य बीमारियों के उपचार हेतु 19 मरीजों को इसका लाभ प्रदान किया गया है। इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत बेहतर चिकित्सा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वित्तीय वर्ष 2024-25 में लाभुकों के बीच 6,45,500 (छः लाख पैंतालीस हजार पाँच सौ) की आर्थिक सहायता दी गई है। चतरा वासियों को आयुष्मान भारत योजना से जोड़ने के लिए विशेष शिविर आयोजित किए गए, जिनके माध्यम से 29,298 नए आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं। इस तरह जिले में अब तक कुल 3,66,079 आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। जिले के स्वास्थ्य तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए डीएमएफटी फंड से डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ, नर्सिंग स्टाफ और हॉस्पिटल मैनेजर की बहाली की प्रक्रिया भी तेजी से चल रही है। चतरा जिले के सदर अस्पताल, सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और आयुष्मान आरोग्य केंद्रों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए कायकल्प, लक्ष्य, एनक्यूएएस और मुस्कान के मानकों के अनुरूप प्रमाणन का कार्य कराया जा रहा है।उपायुक्त श्रीमती कीर्तिश्री जी ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य केवल योजनाओं को लागू करना नहीं, बल्कि उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना है। उन्होंने जिलेवासियों से विकास कार्यों में सक्रिय भागीदारी, सामाजिक एकता और पर्यावरण संरक्षण में सहयोग की अपील की।इस अवसर पर जिला परिषद अध्यक्षा ममता कुमारी, उपाध्यक्ष ब्रिज किशोर तिवारी, उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा,वन प्रमंडल पदाधिकारी उत्तरी राहुल मीणा, वन प्रमंडल पदाधिकारी दक्षिणी मुकेश कुमार,अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, कर्मचारी, स्कूली छात्र-छात्राएं एवं आमजन उपस्थित थे।

शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के निधन पर शोक की लहर

रघुवर दास, अर्जुन मुंडा सहित कई नेताओं ने जताया शोक

संवाददाता

रांची/जमशेदपुरः झारखंड के शिक्षा मंत्री और घाटशिला से झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के विधायक रामदास सोरेन के निधन से राज्य में शोक की लहर है। 15 अगस्त 2025 की रात दिल्ली के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान 62 वर्षीय सोरेन का निधन हो गया। उनके निधन की खबर ने जमशेदपुर और घाटशिला विधानसभा क्षेत्र में मातम का माहौल बना दिया है। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास और पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा सहित कई नेताओं ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है, उन्हें एक समर्पित आंदोलनकारी और सौम्य व्यक्तित्व वाला नेता बताया।

रामदास सोरेन की अंतिम यात्रा

2 अगस्त 2025 को सुबह रामदास सोरेन अपने आवास पर बाथरूम में गिर गए, जिससे उनके सिर में गंभीर चोट लगी और मस्तिष्क में रक्त का थक्का (ब्रेन हेमरेज) बन गया। उन्हें तत्काल एयर एंबुलेंस से दिल्ली के मेदांता अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी रही। डॉक्टरों की एक टीम उनकी स्थिति पर नजर रखे हुए थी, लेकिन 15 अगस्त की रात उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर मिलते ही जमशेदपुर के घोड़ाबांधा स्थित उनके आवास पर मातम छा गया।

श्रद्धांजलि के साथ विदाईः रामदास सोरेन के पार्थिव शरीर को 16 अगस्त 2025 को दिल्ली से रांची लाया गया, जहां झारखंड विधानसभा के पास उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद, शव यात्रा का काफिला सड़क मार्ग से जमशेदपुर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत घाटशिला विधानसभा के मऊभंडार पहुंचा। वहां श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद उनके पार्थिव शरीर को घोड़ाबांधा स्थित उनके आवास लाया गया, जहां पास ही उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग और नेता उनकी अंतिम यात्रा में शामिल हुए।

नेताओं ने जताया शोकः झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने रामदास सोरेन के निधन पर गहरा दुख जताया। उन्होंने कहा, ह्लरामदास सोरेन के निधन से कोल्हान क्षेत्र, विशेष रूप से पूर्वी सिंहभूम जिला, को अपूरणीय क्षति हुई है। उनका समर्पण और शिक्षा के क्षेत्र में योगदान हमेशा याद किया जाएगा। रघुवर दास ने रामदास सोरेन को एक कर्मठ और जनसेवा के प्रति समर्पित नेता बताया।

आंदोलनकारी से नेता तक का सफरः पूर्व केंद्रीय मंत्री और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने सोरेन के साथ अपने पारिवारिक और सामाजिक संबंधों को याद करते हुए कहा, ह्लरामदास सोरेन का व्यक्तित्व सौम्य और प्रेरणादायक था। भले ही हम अलग-अलग दलों में थे, लेकिन सामाजिक दृष्टिकोण से उनका योगदान अनुकरणीय रहा। अर्जुन मुंडा ने बताया कि झारखंड आंदोलन के दौरान सोरेन उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चले। आंदोलन के बाद उनकी नेतृत्व क्षमता ने उन्हें जनता का प्रिय नेता बनाया। उन्होंने कहा, रामदास कई बार चुनाव जीते, हारे, और फिर जीते, लेकिन उनकी जनसेवा की भावना कभी कम नहीं हुई। उनके निधन से मैं व्यक्तिगत रूप से मर्माहत हूं।

जेएमएम नेताओं की प्रतिक्रियाः जेएमएम नेत्री कल्पना सोरेन ने रामदास सोरेन को झारखंडियत का पैरोकार और जुझारू सिपाही बताते हुए कहा, उनका निधन झारखंड मुक्ति मोर्चा और पूरे राज्य के लिए अपूरणीय क्षति है। मरांग बुरु उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें। जेएमएम के आधिकारिक हैंडल ने भी सोरेन के संघर्ष और समर्पण को प्रेरणास्त्रोत बताया।

एक आंदोलनकारी का जीवनः रामदास सोरेन घोड़ाबांधा, जमशेदपुर के निवासी थे और झारखंड आंदोलन में उनकी सक्रिय भूमिका थी। आंदोलन के बाद उन्होंने घाटशिला विधानसभा क्षेत्र से जेएमएम के टिकट पर कई बार चुनाव लड़ा। उनकी सादगी, जनसेवा, और शिक्षा के प्रति समर्पण ने उन्हें जनता के बीच लोकप्रिय बनाया। शिक्षा मंत्री के रूप में उन्होंने कई महत्वपूर्ण पहल शुरू कीं, जिनमें स्कूलों में आधारभूत ढांचे का विकास और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार शामिल हैं।

शोक में डूबा झारखंडः रामदास सोरेन के निधन की खबर ने उनके गृह क्षेत्र घाटशिला और जमशेदपुर में शोक की लहर पैदा कर दी है। उनके समर्थक और स्थानीय लोग उनके आवास पर श्रद्धांजलि देने पहुंच रहे हैं। सोरेन की सादगी और जनता के प्रति उनके समर्पण की कहानियां सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई हैं। पर कई यूजर्स ने उन्हें झारखंड का सच्चा सिपाही और आंदोलन का नायक बताया है।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के संस्कार भोज में शामिल हुए राज्यपाल

मेट्रो रेज

रांची/नेमराः राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार आज स्मृति शेष-राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन के संस्कार भोज में शामिल होने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के नेमरा, रामगढ़ स्थित आवास पहुंचे। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने शिबू सोरेन की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। राज्यपाल ने मुख्यमंत्री एवं उनके पारिवारिक सदस्यों से मुलाकात कर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की।

सेल इकाइयों में मनाया स्वतंत्रता दिवस

रांचीः सेल रांची की सभी इकाइयों द्वारा 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। इस्पात भवन, सीईटी, एमटीआई, सैटेलाइट कॉलोनी और हटिया स्थित सेल सीएसआर स्कूलें और सेल-सेवा इकाई में क्रमशः अनूप कुमार, कार्यपालक निदेशक (सुरक्षा); एसके वर्मा, कार्यपालक निदेशक (सीईटी); संजय धर, मुख्य महाप्रबंधक (एच।आर-एलएंडडी); सुमिता कर, अध्यक्ष (आईएमएस); असित प्रसाद, मुख्य महाप्रबंधक (एएंडई) और संजय सुमन, महाप्रबंधक (सीईटी) द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। श्री कुमार, श्री वर्मा, श्री धर और दीपक जैन, मुख्य महाप्रबंधक (एसडीटीडी) ने इस्पात भवन में सभी इकाइयों के मुख्य महाप्रबंधकों के साथ-साथ सेल कर्मचारियों और उनके परिवारों की सभा को संबोधित किया। सभी वक्ताओं ने अनुसंधान, प्रौद्योगिकी, मानव संसाधन, डिजिटलीकरण और सुरक्षा हस्तक्षेपों के माध्यम से एक आत्मनिर्भर भारत लाने में राष्ट्रवाद के महत्व को रेखांकित किया। स्वतंत्रता की भावना को दर्शाते हुए, उपरोक्त पदादिकारियों द्वारा राष्ट्र की निरंतर प्रगति की आकांक्षाओं के प्रतीक स्वरूप तिरंगे गुब्बारे आकाश में छोड़े गए। सीईटी और एमटीआई में कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें श्री वर्मा और श्री धर ने समूह को प्रेरणा। सेल-सेवा में जयप्रकाश, पंकज नाइक, प्रभात होरो, मनीष कुजूर एवं प्रीति उपस्थित थीं। ।

सीसीएल में हर्ष व उल्लास के साथ मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

रांचीः सीसीएल मुख्यालय सहित सभी क्षेत्रों में 79वां स्वतंत्रता दिवस धूम-धाम के साथ मनाया गया। सीसीएल के सीएमडी निलेन्दु कुमार सिंह ने सीसीएल गांधीनगर कॉलोनी स्थित महात्मा गांधी क्रीड़ागन में ध्वजारोहण किया एवं सलामी दी। इस अवसर पर सीसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक (तकनीकी/संचालन) चंद्र शेखर तिवारी, मुख्य सर्तकता अधिकारी पंकज कुमार, सीआईएसएफ की डीआईजी अनुराधा सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, श्रमिकसंघों के प्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में सीसीएल कर्मी

उपस्थित थे। सीएमडी श्री सिंह ने अवसर विशेष पर सुरक्षा बलों एवं विद्यार्थियों के परेडों का निरीक्षण भी किया।

सीएमडी, सीसीएल श्री सिंह ने उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते हुए सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी और वीर शहीदों के अतुल्य पराक्रम को नमन किया। अपने संबोधन में श्री सिंह ने कहा कि यह दिन केवल आजादी का प्रतीक नहीं, बल्कि एक महान राष्ट्र के निर्माण के संकल्प का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सीसीएल न केवल भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा कर रहा है, बल्कि नए भारत के निर्माण और झारखंड के औद्योगिक विकास में भी अहम योगदान दे रहा है।

पुण्यतिथि पर याद किए गए अटल बिहारी वाजपेयी, भाजपा नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

रांचीः पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि के मौके पर झारखंड सहित देशभर में उन्हें याद किया जा रहा है। झारखंड भाजपा कार्यालय में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र कुमार राय, राज्यसभा सांसद प्रदीप वर्मा, विधानसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक नवीन जायसवाल विधायक सी। पी। सिंह सहित कई नेताओं ने उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें याद किया।

इस मौके पर प्रदेश भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष रविंद्र कुमार राय ने भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी को याद करते हुए कहा कि यदि भारत को समझना है तो अटल जी को समझ लें, तो भारत को समझा जा सकता है। उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति, राजनीति की सुचिता, समाज के प्रति कर्तव्य की भावना और एक निश्छल कर्तव्य परायण जीवन जीने वाले अटल जी ने जिस तरह से अपने जीवन में आदर्श रखा है, वह सार्वजनिक जीवन जीने वाले के लिए प्रेरणास्त्रोत है।

रविंद्र राय ने कहा कि झारखंड उनका ऋणी है। उन्होंने इस राज्य को एक स्वरूप दिया है। उनके मान को रखने के लिए मेरे जैसे लोगों के लिए कुछ भी कुबार्नी देना कम ही होगा। इसलिए अटल जी हमारे लिए एक प्रेरणा के स्त्रोत थे और भारतीय राजनीति के बेमिसाल आदर्श थे।

अटल जी अपने नाम के अनुरूप अटल थेः सीपी सिंह

वरिष्ठ भाजपा नेता और रांची के विधायक सीपी सिंह ने अटल बिहारी वाजपेयी को याद करते हुए कहा कि अटल जी अपने नाम के अनुरूप अटल थे। उन्होंने पोखरण में उनके समय हुए परमाणु परीक्षण को लेकर किए जा रहे विरोध के बावजूद उनके द्वारा किए गए कार्य की चर्चा करते हुए कहा कि अटल जी जो ठान लेते थे वह करके रहते थे।

झारखंड बनाने के लिए दिए गए वादे को उन्होंने अपने कार्यकाल में पूरा कर यहां के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा किया और यह राज्य उनके सपनों का राज्य था। आज हमारे बीच वह नहीं हैं, मगर उनके द्वारा किए गए कार्य और आदर्श आज भी हम सभी के लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं और हमेशा रहेगा।

विधानसभा स्थित अटल की मूर्ति पर श्रद्धांजलिः विधानसभा परिसर स्थित अटल की मूर्ति पर आज श्रद्धांजलि देने वालों का तांता लगा रहा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, पार्टी के मुख्य सचेतक नवीन जायसवाल सहित कई विधायक और कार्यकर्ता द्वारा विधानसभा में अटल जी की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

भाजपा किसान मोर्चा, प्रदेश कार्यालय में धूमधाम से मनायी गयी बलराम जयंती

मेट्रो रेज

रांचीः हलधर भगवान बलराम की जयंती के अवसर पर भाजपा किसान मोर्चा द्वारा प्रदेश कार्यालय रांची में बलराम की जयंती बड़े हीं धूमधाम से मनायी गयी।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी,प्रदेश संगठन महामंत्री मा। कर्मवीर सिंह एवं भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष पवन साहू ने संयुक्त रूप से हलधर भगवान बलराम कि जयंती पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हलधर भगवान बलराम द्वापर युग में भाद्रपद महीने के कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को भगवान बलराम जी का जन्म हुआ था। इसलिए हमलोग प्रत्येक वर्ष भाद्रपद महीने के कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को भगवान बलराम की जयंती मनाते हैं। उन्होंने कहा कि बलराम का जन्म वासुदेव की दूसरी पत्नी

रोहिणी से हुआ था। उन्हें कृष्ण के बड़े भाई के रूप में जाना जाता है। बलराम जी को शेष अवतार के रूप में वर्णित किया जाता है, जो भगवान विष्णु से जुड़े नाग हैं। बलराम को हलधर, हलायुद्ध, बलदेव, बलभद्र और संकर्षण के नाम से भी जाना जाता है।

भगवान बलराम को कृषि देवता माना जाता है। क्योंकि उन्हें हल और कृषि उपकरणों का प्रतीक माना जाता है। वे किसानों के संरक्षक देवता हैं, और उन्हें हल चलाने और भूमि को उपजाऊ बनाने के काम से जोड़ा जाता है। बलराम को हमेशा हल के साथ दिखाया जाता है जो कृषि का एक महत्वपूर्ण उपकरण है। उन्हें किसानों के रक्षक और शुभचिंतक के रूप में देखा जाता है। कहा कि पौराणिक कथाओं में बलराम को कृषि की कला विकसित करने और खेती के उपकरणों को लोकप्रिय बनाने का श्रेय दिया जाता है।

मौके पर कार्यालय मंत्री हेमंत दास, प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक, प्रदेश प्रवक्ता अजय साह ,सह मीडिया प्रभारी योगेंद्र प्रताप सिंह , प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी राहुल अवस्थी, सूरज चौरसिया, भाजपा किसान मोर्चा के पदाधिकारी राजेश कुमार सिंह, वैभव कुमार सिंह, बिनोद ठाकुर, सज्जन कुमार पंकज, प्रदेश मीडिया प्रभारी सुनील कुमार सिंह, कुशवाहा शिवचरण मेहता कामेश्वर महतो, सुरेंद्रनाथ मंडल, हरिशंकर तिवारी, अंचल तिवारी, ऐश्वर्या सहाय, राजीव नाथ शहदेव, कृष्णा राम बैठा, ठाकुर नीरज सिंह अरविंद सिंह खुराना सहित कई अन्य पार्टी के लोग शामिल रहे।

मुरी- सिल्ली में स्वतंत्रता दिवस का भव्य आयोजन

मेट्रो रेज

मुरीः सिल्ली - मुरी में धूमधाम से स्वतत्रंता दिवस मनाया गया। प्रखंड में प्रखंड प्रमुख जितेन्द्र बडाईक ने झंडोत्तोलन किया। इसके अलावा सिल्ली- मुरी के सभी थानों एवं स्कूल संस्थान में तिरंगा फहराया गया और तिरंगे की सलामी दी गई।। हिण्डालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड में आज 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़े हर्षोल्लास और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कंपनी के यूनिट हेड संदीप पाटिल ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और तिरंगे को सलामी दी । श्री पाटिल ने सभी मुरीवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने देश की आजादी के लिए बलिदान देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करते हुए कहा कि हमें उनके आदर्शों पर चलकर देश के विकास में योगदान देना चाहिए।

कंपनी के सुरक्षा गार्ड, अग्निशमन विभाग, एबीएचएस स्कूल के बच्चे तथा गृहिणियों ने उत्साहपूर्वक परेड में भाग लिया। परेड का निरीक्षण यूनिट हेड संदीप पाटिल द्वारा किया गया, जिसमें सुरक्षा अधिकारी श्री श्याम कुमार ने उन्हें सभी परेड टुकड़ियों का क्रमवार परिचय कराया। परेड अत्यंत ही मनमोहक रहा।

सूक्ति

मनुष्य को चाहिए कि वह परिस्थितियों से लड़े, एक स्वप्न टूटे तो दूसरा गढ़े:
अटल बिहारी वाजपेय

मुनीर की गीदड़ भभकी

पाकिस्तान के फील्ड मार्शल एवं सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर एक कट्टरपंथी मौलवी ज्यादा हैं और एक पेशेवर सेनाध्यक्ष कम लगते हैं। वह दो माह के अंतराल में दूसरी बार अमरीका के दौरे पर हैं। राष्ट्रपति ट्रंप के साथ मुलाकात भी तय है। क्या अमेरिकी राष्ट्रपति ने व्हाइट हाउस में राष्ट्राध्यक्ष अथवा शासनाध्यक्ष के बजाय सेना के जनरल से द्विपक्षीय मुलाकात की परंपरा शुरू कर दी है? जनरल मुनीर को अमेरिका की सरजमीं से परमाणु हमले की धमकी देने की अनुमति क्यों दी गई? अमेरिका तो भारत का मित्र और रणनीतिक साझेदार देश है। बेशक टैरिफ के मुद्दे पर विवाद है, लेकिन अमरीका क्वाड जैसे संगठन में भी भारत का साथी देश है। क्वाड का शिखर सम्मेलन भारत में ही होना है। ट्रंप उसे टाल नहीं सकते। बहरहाल पाक समुदाय को संबोधित करते हुए मुनीर ने लगभग पूरी दुनिया को धमकाया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान एक परमाणु संपन्न देश है। यदि हम सोचते हैं कि हम हार रहे हैं, तो उससे पहले हम आधी दुनिया को नष्ट कर देंगे। मुनीर के कथन के भाव यही थे। हालांकि उनका संबोधन अंग्रेजी भाषा में था। इससे पहले मुनीर ने सीधे भारत को धमकी दी थी कि हम सिंधु पर बांध बनाने का इंतजार कर रहे हैं। यदि ऐसा किया गया, तो हम बांध पर 10 मिसाइलों से हमला करेंगे। हमारे पास बहुत मिसाइलें हैं। भारत ने मुनीर के इन शब्दों को गीदड़ भभकी के तौर पर लिया और एक बार फिर साफ किया कि भारत परमाणु हमले की ब्लैकमेल से नहीं डरता। कारगिल और ऑपरेशन सिंदूर के युद्धनुमा संघर्षों के दौरान भी पाकिस्तान परमाणु शक्ति वाला देश था। मुनीर अच्छी तरह जानते हैं कि पाकिस्तान को किस तरह घुटनों पर आना पड़ा? सबसे गौरतलब यह है कि आतंकवाद और पाकिस्तान को लेकर अमेरिका और राष्ट्रपति ट्रंप का नजरिया क्यों बदल गया है? ट्रंप ने पहले राष्ट्रपति-काल के दौरान ही पाकिस्तान की अरबों डॉलर की आर्थिक मदद रद्द कर दी थी। तो क्या अब पाकिस्तान आतंकवाद-मुक्त देश लगता है? राष्ट्रपति ट्रंप इतना जरूर समझ लें कि पाकिस्तान के जनरल के प्रस्ताव पर ही उन्हें शांति का नोबेल पुरस्कार मिलने वाला नहीं है। फर्जी युद्धविराम के दावों के आधार पर भी सर्वोच्च शांति पुरस्कार से नहीं नवाजा जा सकता। नोबेल पुरस्कार समिति और ज्यूरी को सब जानकारियां होती हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति पाकिस्तान में क्या करना चाहते हैं, यह भी समूचे विश्व के संज्ञान में है। दरअसल अपने वजूद के 78 सालों के बावजूद पाकिस्तान की सियासत, हुकूमत और खासकर फौज भारत-ग्रंथि से मुक्त नहीं हो पाई है। जनरल मुनीर ने अमेरिका में कश्मीर पर वही जहर उगला है, जो पहलगाम नरसंहार से पहले एक और संबोधन में किया था। क्या सेना प्रमुख का यह भी काम होता है कि वह पाक समुदाय को भडकाए और सुलगाए? मुनीर के बयान बता रहे हैं कि उसकी महत्वाकांक्षा क्या है? पाकिस्तान का इतिहास उसके जनरलों की ऐसी महत्वाकांक्षाओं और उनकी कारस्तानियों से भरे हैं। मुनीर के संबोधन समझा रहे हैं कि आने वाला युद्ध नई किस्म का होगा। यह आर्थिक युद्ध भी हो सकता है, क्योंकि मुनीर ने रिलायंस इंडस्ट्रीज की गुजरात के जामनगर में स्थित रिफाइनरी को निशाना बनाने की कसम खाई है। यह विश्व की सबसे बड़ी रिफाइनरी है। मुनीर हरेक संदर्भ में पाकिस्तान को भारत का प्रतिद्वंद्वी देश चित्रित करना चाहता है, जबकि यथार्थ बिल्कुल भिन्न है। भारत की जीडीपी पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था से 10 गुना ज्यादा है और यह अंतर चौड़ा होता जा रहा है। विश्व में भारत का जो दर्जा है, पाकिस्तान उस संदर्भ में दूर-दूर तक भी नहीं है। पाकिस्तान सब कुछ उधार मांग कर जीने वाला देश है। मुनीर सपने देखना चाहते हैं, तो कोई क्या कर सकता है?

जवाबदेही चुनाव आयोग की

जवाबदेही चुनाव आयोग की है। यदि वोट चोरी के गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं और उस मुद्दे पर करीब 300 सांसद सडक पर हैं, तो यह कोई सामान्य परिस्थिति नहीं है। चुनाव आयोग कन्नी नहीं काट सकता और न ही विपक्षी नेता के हलफनामे का इंतजार कर सकता। संविधान ने निष्पक्ष और तटस्थ निर्वाचन का दायित्व चुनाव आयोग को सौंपा है, लिहाजा सम्यकु जवाबदेही भी उसी की है। आयोग को वोट चोरी पर खुद स्पष्टीकरण देना चाहिए। औसत नागरिक न्यायपालिका, संसद और चुनाव आयोग के प्रति श्रद्धा और सम्मान के भाव रखता है। वे भाव खंडित नहीं होने चाहिए। हालांकि आयोग ने शनिवार को सर्वोच्च अदालत में हलफनामा देकर आश्वस्त किया है कि जो 65 लाख सवालिया मतदाता बिहार की मतदाता-सूची से बाहर किए गए हैं, उनके पक्ष सुने जा सकते हैं। अभी तक सूची में दर्ज योग्य और पात्र मतदाताओं के नाम हटाए जाएंगे, तो उन्हें बाकायदा नोटिस जारी किए जाएंगे, उनके स्पष्टीकरण सुने जाएंगे, तब आयोग निर्णय लेगा कि वे पात्र मतदाता हैं अथवा नहीं। बिहार के संदर्भ में यह प्रक्रिया एक सितंबर तक जारी रहेगी। सर्वोच्च अदालत में मंगलवार और बुधवार को इस मामले पर सुनवाई तय की गई थी। उसके बाद ही कोई फैसला सामने आएगा, लेकिन चुनाव आयोग की फजीहत नहीं होनी चाहिए। जिस तरह के विशेषण, रूपक और उपमाएं आयोग के लिए मीडिया में इस्तेमाल की जा रही हैं, वे अशोभनीय और अमर्यादित हैं। यह अभिव्यक्ति की आजादी नहीं है। चुनाव आयोग पर भाजपाई होने के जो आरोप चस्पां किए जा रहे हैं, आयोग उन पर न तो खामोश रहे और न ही आरोपों का खंडन करे। उसे आरोपित मामलों में कार्रवाई करनी चाहिए और देश के सामने सार्वजनिक करना चाहिए कि वोट चोरी के आरोप कितने तथ्यात्मक हैं और कितने पूर्वाग्रही हैं? विपक्ष ने आरोप लगाए हैं कि एक ही पते पर 80,100 या उससे अधिक मतदाता बनाए गए हैं। ऐसी खबरें देश के कई राज्यों से आ रही हैं। आयोग को स्पष्टीकरण देना चाहिए, लेकिन इसकी सामाजिक और कामकाजी पृष्ठभूमि भी जाननी चाहिए। वैसे हम बता दें कि देश में 45 करोड़ से अधिक लोग प्रवासी हैं। उन्हें पुराने घर का पता छोड़ कर नए ठिकाने का पता जोड़ना पड़ता है। यहप्रक्रिया असंगठित क्षेत्र के कामगारों और मजदूरों के लिए बहुत कठिन है। मतदाताओं के नाम कटने और जोड़ने की गतिविधियां और समीक्षाएं होती रही हैं। भारत में 95 करोड़ से अधिक पंजीकृत मतदाता हैं। महानगरों में 30 लाख से अधिक लोग ऐसे हैं, जिनके पास एक निश्चित पता नहीं है। वोटर आई कार्ड पाने के लिए वे उस व्यक्ति पर निर्भर रहते हैं, जो उन्हें घर का पता इस्तेमाल करने की अनुमति देता है। देश में निर्माण-स्थल पर काम करने वाले करीब 1 करोड़ मजदूर उसी स्थल पर रहते हैं अथवा आसपास रहते हैं या ठेकेदार के किसी पते पर रहने को विवश हैं। क्या उन्हें मताधिकार प्राप्त नहीं है? ऐसे लोगों का स्थायी या पुश्तैनी पता कैसे हो सकता है? हमारा दावा यह नहीं है कि एक ही पते पर कई मतदाताओं के कार्ड बनाने की प्रक्रिया में धांधलेबाजी नहीं है। राजनीतिक दल अपना वोट बैंक पुख्ता करने के लिए ऐसा करते रहे हैं, लेकिन समग्रता में यह मामला बेहद संवेदनशील है। चुनाव आयोग को भी समझना चाहिए। हमारा मानना है कि इस मुद्दे पर राजनीति नहीं होनी चाहिए।

विभाजन विभीषिका दिवस: मजहबी कट्टरता का तांडव

कलकत्ता के डायरेक्ट एक्शन डे में बहा रक्त, नोआखाली की जली हुई बस्तियां, रावलपिंडी की राख में दबी लाशें,इन घावों से रिसता जहर समय के साथ कश्मीर की बफीर्ली घाटियों में उतरा, जहां 1990 की सर्द रातों में कश्मीरी पंडितों के घरों पर रालिव, चालिव या गालिव के नारे गूंजे, और तीन लाख से अधिक हिन्दू अपने ही वतन से बेघर कर दिए गए। यही जहर पश्चिम बंगाल के चुनावोत्तर दंगों में बहनों के चीरहरण और घरों की लपटों में दिखा, असम के गांवों में हिंसक टकराव में फूटा और गुजरात के गोधरा स्टेशन पर जिंदा जलाए गए 59 तीर्थयात्रियों की चीखों में सुनाई दिया। यही विभाजन की लपटें 26/11 के मुंबई हमलों में समुद्र पार से आईं, वाराणसी और दिल्ली के धमाकों में गूंजीं, और आज भी कश्मीर के स्कूलों में पढ़ाने वाले गैर-मुस्लिम शिक्षकों के खून में लाल हो रही हैं।

प्रणय विक्रम

गलियों में पड़े थे कटी देहों के ढेर, घरों में जलती चिताएं और हवाओं में गूंज रही थीं माताओं-बहनों की चीखें। जो हर दीवार से टकराकर लौट रही थीं। यह कोई अनियंत्रित दंगा नहीं था, यह वर्षों से पाला-पोसा गया सुनियोजित नरसंहार था। जहां पाकिस्तान के नारे ने पापिस्तान का नक्शा खींचा और लाखों निर्दोष हिंदू-सिखों को मौत, निर्वासन और मजहबी गुलामी की खाई में धकेल दिया।

भारत केवल भूगोल में नहीं, भावनाओं में भी फाड़ा गया। यह केवल राजनीतिक परिमाप का विभाजन नहीं था, यह इस्लामी मजहबी कट्टरता के तांडव से लहूलुहान आत्माओं का सामूहिक विस्थापन था। पाक की कल्पना ने पाप की पराकाष्ठा रची। मोहम्मद अली जिन्ना का दो-राष्ट्र सिद्धांत केवल राजनीतिक चाल नहीं, बल्कि रक्त से सरहद खींचने की खुली घोषणा थी। ब्रिटिश साम्राज्यवाद की फूट डालो और राज करो नीति ने इस बीज को खाद दी और मुस्लिम लीग ने इसे नफरत के नागफनी वृक्ष में बदल दिया। इस वृक्ष की शाखाओं पर लटकी थीं असंख्य लाशें, इसकी जड़ों में बहा था निदोर्षों का रक्त और इसकी छांव में पनप रहा था क्रूरता का काला साम्राज्य। जहां हत्या, लूट, बलात्कार और जबरन धर्मांतरण मजहबी फतवों के नाम पर वैध कर दिए गए। कत्लेआम के काफिलों में कतार दर कतार काफिर माने गए कंधों पर अर्थियां उठीं। मिनारों से मजमे में मौत के मुनादी मचाई गई।

हजारों गांव रातों-रात खामोश हो गए। डायरेक्ट एक्शन डे (16 अगस्त 1946) से शुरू हुई हिंसा 1947 में अपने चरम पर पहुंची। कलकत्ता, नोआखाली, रावलपिंडी, लाहौर, मुल्तान हर जगह हिन्दू-सिखों के रक्त से नदियां लाल हुईं। विभाजन की विभीषिका का पहला खुला अध्याय था डायरेक्ट एक्शन डे यानी 16 अगस्त 1946। मुस्लिम लीग के आह्वान पर कलकत्ता की सड़कों पर पाकिस्तान के समर्थन में भीड़ उतरी, लेकिन यह भीड़ जल्द ही हत्यारी हुजूम में बदल गई। मस्जिदों से नारे गूंजे ला इलाहा इल्लल्लाह हिंदुस्तान हमारा है। तीन दिन तक शहर जलता रहा। 4,000 से अधिक हिन्दू-सिख मारे गए, हजारों घायल हुए और बीस हजार से अधिक घर-दुकानें लूटकर राख में बदल दी गईं। प्रत्यक्षदर्शी गुरुदास मुखर्जी ने लिखा है कि ह्यसुबह होते-होते हर तिलकधारी चेहरा भय का पर्याय बन चुका था। औरतें खींच ली गईं, बच्चों की लाशें नालियों में बह रही थीं, और लूट के बाद आग का समुंदर सब कुछ निगल रहा था। अक्टूबर 1946 में पूर्वी बंगाल का नोआखाली जिला मुस्लिम उन्माद का अगला रणक्षेत्र बना। गांवों को चारों ओर से घेरकर जलाया गया, मंदिरों के कलश तोड़े गए, मूर्तियों को लहूलुहान किया गया और महिलाओं को आंगन से खींचकर धर्मांतरण की अंधेरी कोठरियों में धकेला गया। पांच हजार से अधिक हिंदू मारे गए, सैकड़ों महिलाओं का अपहरण हुआ और न जाने कितनों को कलमा पढ़ने के लिए मजबूर किया गया। कृष्णकांति भट्टाचार्य ने कहा कि ह्यउन्होंने हमें एक कमरे में बंद किया, बाहर से कलमा पढ़ने को कहा। हमारी बहनें खींच ली गईं, उनके कपड़े फाड़ दिए गए, और जो विरोध में चीखी, उसे चाकू से गोदकर फेंक दिया। गांधी जी वहां पहुंचे, किंतु कट्टरता का जहर इतना गहरा था कि गांव की आत्मा कभी लौट नहीं सकी।

मार्च 1947 में पंजाब का रावलपिंडी जिला इस्लामी निर्दयता की अग्निपरीक्षा में झोंक दिया गया। सिख बस्तियों को घेरकर आग के हवाले कर दिया गया, गुरुद्वारों की पवित्रता को अपवित्र कर जला दिया गया, और गुरु ग्रंथ साहिब की प्रतियां राख में बदल दी गईं। माताएं अपनी बेटियों के साथ कुओं में कूदकर प्राण दे रही थीं, क्योंकि वे जानती थीं कि अगला क्षण उनकी अस्मिता के चीरहरण का होगा। कप्तान अमर सिंह की डायरी में दर्ज है कि गांव की गलियों में सिर्फ लाशें और लपटें थीं। चारों ओर जलते घर, रोते बच्चे, और बेदम पड़ी माताएं,हवाओं में धुएं के साथ चीखें तैर रही थीं।,

विभाजन के इतिहास का सबसे क्रूर अध्याय था स्त्री-अस्मिता का संहार। पचहत्तर हजार से अधिक हिन्दू-सिख महिलाओं को अपहृत किया गया, बलात्कार और जबरन धर्मांतरण के बाद निकाह के नाम पर यौन दासता में धकेला गया,सिंदूर से सजी सुहागिनें सिसकियों में सिमट गईं। अस्मिता के आंगन से आंसुओं के अंधेरे में उतर गईं। अमृतसर शिविर की सुधा कौर की आवाज उस युग की चीख है। वे कहती हैं कि हमने बहनों को पुकारते सुना कि हमें मार दो, पर हमें मत ले जाओ। कई ने अपने ही हाथों प्राण त्याग दिए, पर कलमा पढ़ने से इनकार किया।

सिन्ध और पंजाब में उन्मादियों ने केवल लोगों को नहीं मारा, बल्कि उनकी पहचान, उनकी पूजा और उनके प्रतीकों को भी मिटा दिया। मंदिरों को मस्जिदों और मदरसों में बदल दिया गया, घंटियों की जगह लाउडस्पीकर गूंजने लगे, आरती के स्थान पर अजान का स्वर गूंजा। यह केवल भूमि का कब्जा नहीं था, यह पीढ़ियों की स्मृति पर प्रहार था ताकि आने वाला समय अपनी जड़ों से अनजान हो जाए।

विभाजन की विभीषिका 1947 में केवल एक बार फटी बारूद नहीं थी, बल्कि यह एक ऐसा धधकता अंगार था जो दशकों से जलता रहा। कलकत्ता के डायरेक्ट एक्शन डे में बहा रक्त, नोआखाली की जली हुई बस्तियां, रावलपिंडी की राख में दबी लाशें,इन घावों से रिसता जहर समय के साथ कश्मीर की बफीर्ली घाटियों में उतरा, जहां 1990 की सर्द रातों में कश्मीरी पंडितों के घरों पर रालिव, चालिव या गालिव के नारे गूंजे, और तीन लाख से अधिक हिन्दू अपने ही वतन से बेघर कर दिए गए। यही जहर पश्चिम बंगाल के चुनावोत्तर दंगों में बहनों के चीरहरण और घरों की लपटों में दिखा, असम के गांवों में हिंसक टकराव में फूटा और गुजरात के गोधरा स्टेशन पर जिंदा जलाए गए 59 तीर्थयात्रियों की चीखों में सुनाई दिया। यही विभाजन की लपटें 26/11 के मुंबई हमलों में समुद्र पार से आईं, वाराणसी और दिल्ली के धमाकों में गूंजीं, और आज भी कश्मीर के स्कूलों में पढ़ाने वाले गैर-मुस्लिम शिक्षकों के खून में लाल हो रही हैं। कश्मीर से कोलकाता तक, कैराना से कराची तक, कट्टरता का यह काफिला कभी थमा नहीं। मंदिरों की घंटियों से लेकर आरती की थालियों तक, हर स्वर को दबाने का प्रयास उसी मानसिकता का विस्तार है जिसने 1947 में सीमाएं खींचीं और सभ्यता को चीर डाला। विभाजन का इतिहास हमें यह चेतावनी देता है कि यह कोई समाप्त हुआ अध्याय नहीं, बल्कि एक सतत युद्ध है, जहां दुश्मन केवल सीमाओं के पार नहीं, बल्कि विचारों और समाज के भीतर भी मौजूद है। विभाजन विभीषिका दिवसः स्मरण से संकल्प तक 14 अगस्त का दिन केवल स्मृति नहीं, बल्कि संकल्प का दिन है।

लड़कियों के प्रति समाज का रवैया

एक मेट्रीमोनियल साइट पर पूरे होशो हवास में दिया गया विज्ञापन है। जिसमें कहा गया है कि लड़की अलां दर्जे तक पढ़ी, फलां गुणों से भरी होनी चाहिए। गुणों की इस फेहरिस्त में शामिल है- सुंदर चेहरा, गोरा रंग, दुबली लड़की, पारंपरिक सोच के साथ एकदम सही नाप में मॉर्डन विचारधारा, आदि। लेकिन बात यहीं खत्म नहीं होती। लड़के ने इसके आगे जाते हुए लड़की के ब्रा साइज, कमर के नाप और पैरों के साइज को भी तयशुदा पैमाने के हिसाब से होने की मांग की है। इतना ही नहीं लड़का चाहता है कि लड़की मैनीक्योर-पैडीक्योर किये रहे, उसका ड्रेसअप 80 प्रतिशत कैजुअल और 20 प्रतिशत फॉर्मल हो और इससे भी आगे इस तरह की बातें हैं जो सार्वजनिक तौर पर लिखने में भी मेरी कलम गुस्से से कांप रही है।

स्वाति शैवाल

जब कभी 16 साल की एक लड़की अपने सपनों में दूल्हे के साथ खुद को पाती है, एक गोरेपन की क्रीम न जाने क्यों उसके चेहरे पर प्रश्नचिन्ह बनकर चिपक जाती है। कोई अपने आप को तयशुदा लहंगे में फिट करने के लिए सपने में भी मीठा खाने से घबराती है, तो कोई खुद को पतला करने के लिए तीन महीने के लिए जिम की फीस चुकाती है। कभी किसी को शरीर पर अतिरिक्त उभार लाने के लिए पैडेड कपड़े पहनने की सलाह दी जाती है तो कोई रोज झड़ते बालों के लिए घरेलू नुस्खे अपनाती है। किसी का कद कम तो मुश्किल, किसी की मुश्किल ही यही कि वो है लड़कों जितनी लंबी। ऐ खुदा, बार बार क्यों इतने इम्तिहान है सजाता? एक ही सांचे से लड़कियां क्यों नहीं बनाता?

कहिए जी देश बदल रहा है, आगे भी बढ़ रहा है। वाकई, बदल तो रहा है लेकिन उन लोगों का क्या कीजियेगा जो अपनी सोच बदलने को तैयार नहीं। मुश्किल ये है कि बदली सोच वाले तो उंगली पर गिनने लायक हैं और जिन पर है पिछड़ी सोच का साया उनकी संख्या है ज्यादा।

ये एक मेट्रीमोनियल साइट पर पूरे होशो हवास में दिया गया विज्ञापन है। जिसमें कहा गया है कि लड़की अलां दर्जे तक पढ़ी, फलां गुणों से भरी होनी चाहिए। गुणों की इस फेहरिस्त में शामिल है- सुंदर चेहरा, गोरा रंग, दुबली लड़की, पारंपरिक सोच के साथ एकदम सही नाप में मॉर्डन विचारधारा, आदि। लेकिन बात यहीं खत्म नहीं होती। लड़के ने इसके आगे जाते हुए लड़की के ब्रा साइज, कमर के नाप और पैरों के साइज को भी तयशुदा पैमाने के हिसाब से होने की मांग की है।

संकल्प से सिद्धि

चिंतन-मनन

संकल्प से ही सिद्धि संभव है। संकल्प की शक्ति मानव को मानसिक दृढ़ता प्रदान करती है। संकल्प की शक्ति एक ऐसी आध्यात्मिक ऊर्जा है, जो व्यक्ति को आत्मिक विकास के मार्ग पर अग्रसर करती है। हमारे धर्मग्रंथों में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं, जहां संकल्प की शक्ति ने असंभव को भी संभव बना दिया। चाहे वह भगीरथ का गंगा को धरती पर लाने का संकल्प हो या सावित्री का अपने पति के प्राण वापस लाने का, संकल्प ने एक अचूक साधन के रूप में कार्य किया। सनातन परंपरा में यह दृढ़ मान्यता रही है कि संकल्प आत्मा की पुकार है, जो परमात्मा तक पहुंचती है। यज्ञ, पूजा, व्रत और तपस्या जैसे धार्मिक कर्मकांडों की शुरूआत संकल्प से होती है। संकल्प द्वारा व्यक्ति अपने उद्देश्य को देवता और सृष्टि के सम्मुख प्रकट करता है, जिससे एक सूक्ष्म ऊर्जा सक्रिय होती है। यह संकल्प ही उसे साधना में स्थिर बनाता है और बाह्य विघ्न-बाधाओं से विचलित नहीं होने देता। धार्मिक जीवन में संकल्प को केवल इच्छा या आकांक्षा नहीं माना गया। यह एक दायित्व की घोषणा होती है। जब कोई साधक कहता है मैं अमुक कार्य पूर्ण करूंगा , तो वह उस क्षण से अपने कर्म, चिंतन और ऊर्जा को एक दिशा में निर्देशित कर देता है। यह केंद्रित ऊर्जा ही उसे सामान्य सीमाओं से परे ले जाकर ईश्वरीय शक्ति से जोड़ती है। इसी कारण संकल्प को सिद्धि का साधन माना गया है। आस्था भी संकल्प की नींव है। यदि संकल्प किया गया हो, लेकिन आस्था उसमें नहीं हो, तो वह केवल एक ख्याली इच्छा बनकर रह जाता है। जब व्यक्ति को अपने संकल्प की पूर्णता पर श्रद्धा होती है, तभी वह भीतर से सक्रिय होता है। यह आस्था ही उसके भीतर वह दिव्य शक्ति उत्पन्न करती है, जिससे वह कठिन से कठिन मार्ग पर भी आगे बढ़ता है। धर्म में आस्था और संकल्प का संबंध वैसे ही है जैसे दीपक में बाती और घी का, दोनों मिलकर प्रकाश उत्पन्न करते हैं। भारतीय संतों और योगियों के जीवन में संकल्प शक्ति के अनेक प्रेरणादायक उदाहरण हैं। तिरुपति बालाजी के निर्माण से लेकर रामकृष्ण परमहंस की साधना तक प्रत्येक उदाहरण यह सिद्ध करता है कि जब संकल्प धर्म के भाव से प्रेरित होता है, तो ईश्वर स्वयं सहायता करते हैं। ऐसे संकल्प केवल व्यक्तिगत नहीं होते, बल्कि समाज और संस्कृति को भी दिशा प्रदान करते हैं। धर्म के अनुसार, संकल्प केवल वर्तमान की योजना नहीं है, वह भविष्य को आकार देने का माध्यम है। जब व्यक्ति धर्म, सत्य और करुणा के भाव से संकल्प करता है, तो वह केवल अपने लिए नहीं, संपूर्ण सृष्टि के कल्याण की दिशा में एक ऊर्जा उत्पन्न करता है।

आपके पत्र

गाजर घास : एक पर्यावरणीय चुनौती

गाजर घास (पार्थेनियम हिस्ट्रोफोरस), जिसे तारा घास के नाम से भी जाना जाता है। अमेरिका, एशिया और अफ्रीका में यह एक मुख्य और हानिकारक खरपतवार है। हमारे देश में इसका प्रवेश 1950 में अमेरिका और कनाडा से आयातित गेहूं के साथ हुआ था। 1950 के दशक में पुणे और महाराष्ट्र में इसे सबसे पहले देखा गया। बरसात के मौसम में इस घास की प्रचुर मात्रा में वृद्धि होती है, लेकिन यह पौधा हर तरह के वातावरण में तेजी से उठकर फसलों, मनुष्य और पशुओं के लिए एक गंभीर समस्या है। इसे अक्सर खाली पड़ी जमीनों, सडकों, रेलवे ट्रैक और बंजर भूमि पर देखा जाता है।

गाजर घास एलर्जी संबंधित समस्याओं का मुख्य कारण है। इसके सेवन से पशुओं में खुजली और दूध में कड़वापन आ जाता है। इससे निपटने की कारगर विधि यह है कि इसे जड़ से उखाड़ कर नष्ट कर दिया जाए।

केसी वर्मा, रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

भाजपा ने निकाली तिरंगा यात्रा

हरिहरगंज : पलामू जिले के हरिहरगंज में गुरुवार को भाजपा कार्यकताओं ने तिरंगा यात्रा निकाली। इस दौरान वंदे मातरम और भारत माता की जय के नारे से पूरा शहर गूंज उठा। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर निकाली गई तिरंगा यात्रा में शामिल भाजपा मंडल अध्यक्ष बल्लु बलराम, कार्यक्रम प्रभारी प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रविन्द्र सिंह, हरिहरगंज के सासंद प्रतिनिधी अरुण मिश्रा, किसान मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मुन्ना विश्वकर्मा आदि ने कार्यकताओं को देश हित में सदैव प्रथम रहने का भाव रहकर तत्पर रहने का आह्वान किया। वक्ताओं ने कहा कि तिरंगा यात्रा का आयोजन आम लोगों को तिरंगा यात्रा में महेन्द्र सिंह, अर्जुन गुप्ता, सूर्यांशु सिंह, सिकेन्दर पासवान, अजय सिंह, बबन गुप्ता, करण राजवीर, अमित कुमार, अमित गोस्वामी, सोनु कुमार, हिमांशु गुप्ता, मिट्ठू गुप्ता, अभीषेक सिंह, कुंदन सोनी, रामाधार मेहता, राजीव गुप्ता, राजेश शौडिंक, मनोज सोनी, संतोष कुमार, गौतम सिंह, अरविंद पासवान, पंकज पासवान, सौरभ पाठक, अशोक सिंह, संतोष प्रसाद, पवन गुप्ता, विरेन्द्र सिंह, अरविन्द मेहता, रघुनंदन सिंह, गंगा जायसवाल, सत्येन्द्र साव, लखन साव, मुन्ना मेहता, प्रिय मुखदर्शी, पंकज कुमार, बिट्टु गुप्ता, चंदन कुमार, पवन कुमार आदि शामिल थे।

स्वतंत्रता दिवस पर जिलेभर में ध्वजारोहण समारोह का आयोजन

कोडरमा : स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर जिलेभर में ध्वजारोहण समारोह का आयोजन गरिमामय ढंग से किया गया। उपायुक्त ऋतुराज द्वारा अपने आवास एवं समाहरणालय परिसर में ध्वजारोहण किया गया। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय, वन प्रमंडल पदाधिकारी सौमित्र शुक्ला ने वन प्रमंडल कार्यालय, उप विकास आयुक्त रवि जैन ने उप विकास आयुक्त कार्यालय तथा अनुमंडल पदाधिकारी रिया सिंह ने अनुमंडल कार्यालय में ध्वजारोहण किया। इसके अतिरिक्त सभी विभागों के कार्यालय प्रधानों द्वारा अपने- अपने कार्यालयों में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया और स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर जिप अध्यक्ष रामधन यादव, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अनिल कुमार सिंह, जिप सदस्य महेंद्र यादव, शांति प्रिया, मौजूद रहे।

राजद कार्यालय में शान से फहरा तिरंगा

झुमरीतिलैया : राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रधान कार्यालय, विशुनपुर आश्रम रोड में 79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गरिमामय समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष महेंद्र यादव ने देश के आन बान और शान तिरंगा का ध्वजारोहण किया। कार्यक्रम में उपस्थित राजद के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी और राष्ट्रगान में भाग लिया। इस अवसर पर वीर स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई और उनके बलिदानों को याद किया गया। वक्ताओं ने संबोधन में कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें हमारे देश की आजादी के लिए लड़ने वाले वीर सपूतों के बलिदानों की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि हमें अपने देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा करने का संकल्प लेना चाहिए।कार्यक्रम का संचालन नगर अध्यक्ष घनश्याम तुरी ने किया और धन्यवाद ज्ञापन डॉ कमाल खान ने किया । मौके पर कंचन यादव, महेश यादव,चरणजीत सिंह,दारो यादव,बालदेव यादव, संजय दास, इमानुल हुसैन,शंभु पासवान,असगर अली, महेश दास,मो मुस्तफा, नीरज कुमार, पवन भगत,विजय यादव, मो मुबारक, संजय प्रसाद,अनिरुद्ध प्रसाद,ब्रह्मदेव यादव, दीपक यादव, हरिहर सिंह, परमेश्वर यादव समेत राजद कार्यकर्ता व गणमान्य लोग मौजूद थे।

पूर्व मंत्री स्व. रमेश प्रसाद यादव की 27वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा

झुमरी तिलैया : पूर्व मंत्री स्व. रमेश प्रसाद यादव की 27वीं पुण्यतिथि पर शुक्रवार को कोडरमा के चाराडीह स्थित उनके समाधि स्थल पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिले भर से विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता, समाजसेवी, बुद्धिजीवी एवं गणमान्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित हुए। सभी ने स्व. यादव के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री सह कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी अपने पुत्र सौरभ यादव,मंयक यादव के साथ मौजूद रहीं। वहीं कोडरमा विधायक डॉ. नीरा यादव, बगोदर विधायक नागेंद्र महतो, विधायक अमित यादव, चतरा विधायक जनार्दन पासवान, प्रदेश उपाध्यक्ष विकास प्रीतम, भाजपा जिला अध्यक्ष अनुप जोशी सहित लक्ष्मण सिंह, नितेश चंद्रवंशी, रवि मोदी, राजकुमार यादव, महादेव दुबे, अशोक शर्मा, भैया अभिमन्यु प्रसाद, राजकुमार यादव, चंद्रशेखर जोशी, देवनारायण मोदी, विरेन्द्र सिंह, वासुदेव यादव, संजय मेहता, सत्यनारायण यादव, जिप अध्यक्ष रामधन यादव, महेंद्र यादव, महेश वर्मा, महेंद्र वर्मा, सुनील मेहता, पिंकी जैन, नवीन जैन, कंवलजीत सिंह, मनोज सहाय, पप्पू मेहता, सुजीत मेहता, रोहित मेहता, शिशिर सिंह, परमेश्वर यादव, बंटी मोदी, संजय शर्मा, अशोक यादव, सुनील यादव, कोडरमा जिला के सभी मंडल अध्यक्ष, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता समेत हजारों लोगों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

उप राजधानी में शान से लहराया तिरंगा

संवाददाता

दुमका : 36 झारखंड बटालियन एनसीसी धनबाद के अंतर्गत संचालित डिस्ट्रिक्ट सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, दुमका के एनसीसी यूनिट ने एसोसिएट एनसीसी पदाधिकारी डॉ0 दिलीप कुमार झा राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त के नेतृत्व में एनसीसी कैडेट्स ने प्लाटून कमांडर श्रीधर झा के साथ स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पुलिस लाइन में होने वाले संयुक्त परेड में भाग लेकर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर विद्यालय के एनसीसी टीम एवं एसोसिएट एनसीसी पदाधिकारी डॉ0 दिलीप कुमार झा को मुख्य अतिथि लालचन्द्र डाडेल,आयुक्त संथाल परगना प्रमंडल, दुमका के करकमलों द्वारा शील्ड एवं प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अविस्मरणीय उपलब्धि पर विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है।इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर,क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशक डॉ0 दुर्गा नन्द झा,जिला शिक्षा पदाधिकारी भूतनाथ रजवार, कमांडिंग अफसर कर्नल संजय खंडेलवाल, भारत स्काउट एवं गाइड के मुख्य जिला आयुक्त हरिश्चंद्र चौधरी, उपसभापति सह झारखंड राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ के राज्याध्यक्ष दिवाकर महतो , पूर्व प्रभारी प्राचार्य सह जैक सदस्य डॉ0 अजय कुमार गुप्ता,भारत स्काउट एवं गाइड के जिला सचिव विजय कुमार दूबे,जिला संगठन आयुक्त अपरेश कुमार, विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य महेन्द्र राजहंस, इंटर संकाय प्रभारी मुदस्सर सुल्तान, शिक्षक अमित कुमार पाण्डेय, स्नेहलता मराण्डी,रुपेश कुमार झा,संजीव कुमार सिंह , प्रदीप कुमार,संजय कुमार सिन्हा,निवास रजक, जमाल नासिर,प्रकाश कुमार घोष, अर्चना कुमारी, सुशीला किस्कू के साथ साथ पूरे विद्यालय परिवार ने एसोसिएट एनसीसी पदाधिकारी डॉ0 झा, प्लाटून कमांडर श्रीधर झा, कैडेट विष्णु कुमार, शुभम अग्रवाल, प्रतीक कुमार एवं उत्तम कुमार के साथ साथ पूरे एनसीसी टीम को बधाई दी है।विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य महेन्द्र राजहंस ने बताया कि विद्यालय के एनसीसी टीम उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए एसोसिएट एनसीसी पदाधिकारी डॉ0 दिलीप कुमार झा के नेतृत्व में कई दिनों से एक लक्ष्य के साथ अभ्यास कर रही थी। एसोसिएट एनसीसी पदाधिकारी डॉ0 दिलीप कुमार झा दिसम्बर 2025 को सेवानिवृत्त हो रहे हैं, अतः विद्यालय के एनसीसी टीम ने इस उपलब्धि एवं अवॉर्ड को अपने एसोसिएट एनसीसी पदाधिकारी डॉ0 झा को समर्पित किया है।

मंजुला शर्मा मेमोरियल एकेडमी, डोमचांच में 79वीं स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया

मेट्रो रेज संवाददाता

डोमचांच : 15 अगस्त ,2025 झ आजादी का अमृत महोत्सव और 79वीं स्वतंत्रता दिवस मंजुला शर्मा मेमोरियल एकेडमी, डोमचांच में देशभक्ति के उल्लास और रंगारंग कार्यक्रमों के साथ हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया। प्रातः 9 बजे कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ हुआ। ध्वजारोहण का सम्मान विद्यालय के निदेशक श्री रजनीश एवं विद्यालय के शैक्षणिक प्रशासक एवं शिक्षाविद् श्री रामप्रवेश पाण्डेय ने संयुक्त रूप से किया। राष्ट्रीय ध्वज फहराते ही उपस्थित जनसमूह ने जोरदार तालियों और ₹भारत माता की जय₹ के नारों से वातावरण को गुंजायमान कर दिया। ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रगान का सामूहिक गायन हुआ, जिसने सभी के मन में देश के प्रति सम्मान और गर्व की भावना को और प्रबल कर दिया। इसके बाद रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति हुई। कार्यक्रम की एंकरिंग कक्षा 10 की प्रतिभाशाली छात्रा अनुष्का और जिशु ने अत्यंत प्रभावशाली और आत्मविश्वासपूर्ण अंदाज में की, जिसने पूरे समारोह को जीवंत बना दिया। छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति गीत, समूह नृत्य, कवितापाठ, देश के वीर सपूतों पर आधारित नाट्य प्रस्तुति और वाद्य यंत्रों पर देशभक्ति धुनों के माध्यम से शहीदों के बलिदान को याद किया। दर्शकों ने हर प्रस्तुति पर तालियों की गड़गड़ाहट से कलाकारों का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम में भारी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे। उन्होंने बच्चों के प्रयासों और विद्यालय की तैयारियों की मुक्त कंठ से सराहना की। विद्यालय प्रांगण को तिरंगे रंगों की पताकाओं, गुब्बारों और फूलों से सजाया गया था, जो पूरे माहौल को देशभक्ति से सराबोर कर रहा था। अंत में, विद्यालय के निदेशक एवं शैक्षणिक प्रशासक ने सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए यह संकल्प दोहराया कि विद्यालय शिक्षा के साथ-साथ छात्रों में राष्ट्रप्रेम, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को भी निरंतर प्रोत्साहित करेगा। इस अवसर विशेष पर विशिष्ट अतिथि के रुप में डाक्टर आई सी दास, कामाख्या सिंह एवं विद्यालय के शैक्षणिक कर्मी अभिषेक कुमार पाण्डेय शिवकुमार साव,अलख सिंह, राकेश रोशन,राजन मेहता,रीता कुमारी, प्रीति चौधरी, प्रीति प्रियदर्शिनी, कुमुदिनी लकडा, अंजलि कुमारी,रिया सिंह,अमिता राय,आर्ची कुमारी,नेहा कुमारी, भालचंद्र पाण्डेय तथा एहसान अली उपस्थित रहे।

राज इंटरनेशनल स्कूल में मनाई गई श्री कृष्ण जन्माष्टमी

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा : स्थित राज इंटरनेशनल स्कूल में श्री कृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार बहुत धूम धाम तथा श्रद्धा और उल्लास से मनाया गया। विद्यालय परिसर को फूलों, गुब्बारों और रंग-बिरंगी झालरों से सजाकर एक अद्भुत दृश्य प्रस्तुत किया गया। राधा-कृष्ण, बलराम, गोप-गोपियों और यशोदा माता के वेश में सजे नन्हे-मुन्ने बच्चों ने मानो वृंदावन की छटा को विद्यालय में साकार कर दिया।कार्यक्रम की शुरूआत प्रचार्य राहुल घोष, शिक्षकों और बच्चों द्वारा मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना और पालना झुलाने से हुई। जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। इसके बाद रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में नर्सरी से कक्षा नौ तक के विद्यार्थियों ने विभिन्न भजनों और गीतों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किए। इस अवसर पर बच्चों ने अनेक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। नर्सरी से यूकेजी के बच्चों ने राधा-कृष्ण बाल रूप सज्जा प्रतियोगिता में भाग लिया। कक्षा एक और दो के बच्चों ने कृष्ण भजन गाकर सभी को भक्ति भाव से अभिभूत कर दिया। इसके अतिरिक्त सभी छात्र ने कृष्ण और राधा के गीतों छोटी-छोटी गइया, राधा ढूंढ रही, माखन चोर नंदकिशोर, जो है अलबेला जैसे गीतों पर नृत्य की भाव भंगिमाओं के साथ सुंदर प्रस्तुति दी। बाल रूप सज्जा प्रतियोगिता के तहत कुछ बच्चों ने कृष्ण और राधा के चरित्र को जीवंत कर दिया। मौके पर कक्षा यूकेजी, एक और दो के बच्चों ने गीता के श्लोकों को कंठस्थ कर प्रस्तुत किया। इसके अतिरिक्त गोविंदा आला रेऔर वो है अलबेलागीतों पर सुंदर नृत्य की भी पेश किया। छात्रों ने आकर्षक तरिके मटका को सजाया ` विद्यालय के चेयरमैन रामलखन सिंह ने अपने संदेश में श्रीकृष्ण के जीवन से सत्य व धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा लेने की बात कही। विद्यालय की निदेशक सम्पा सिंह तथा विद्यालय के प्रिंसिपल राहुल घोष ने बच्चों को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं तथा बधाई दी। इस अवसर पर विद्यालय के सचिव सिद्धार्थ सिंह ने अपने संदेश में कहा की जन्माष्टमी का पर्व भगवान कृष्ण के जन्म का उत्सव है, और यह हमें कई महत्वपूर्ण जीवन सबक सिखाता है। यह त्योहार हमें सिखाता है कि प्रेम, करुणा, और धार्मिकता के मार्ग पर चलना चाहिए। साथ ही, यह हमें सिखाता है कि हमें अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए, दूसरों के प्रति दयालु होना चाहिए, और हमेशा सच्चाई के मार्ग पर चलना चाहिए। परिस्थितियों से भागो मत, उसके सामने डटकर खड़े हो जाओ। क्योंकि, कर्म करना ही मानव जीवन का पहला कर्तव्य है। हम कर्मों से ही परेशानियों से जीत सकते हैं। इस अवसर विद्यालय में शिक्षक, गैर-शिक्षण कर्मचारी मौजुद रहे।

हरिहरगंज के स्कूलों में अर्पित की गई श्रद्धांजलि

हरिहरगंज : पलामू जिले के हरिहरगंज प्रखंड क्षेत्र के स्कूलों में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री स्व शिबू सोरेन को गुरुवार को कार्यक्रम आयोजित करके श्रद्धांजलि दी गई। शहर के भगत तेंदुआ मिडिल में हेडमास्टर सुशील कुमार, शिक्षक संतोष कुमार, स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत बीटीटी कृष्ण मुरारी मिश्रा ने शिबू सोरेन के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दिया। सुशील कुमार ने उपस्थित बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि शिबू सोरेन झारखंड में नई राजनीतिक चेतना भरने, पिछड़ों को सामाजिक न्याय दिलाने में अहम भूमिका रही है। उन्होंने आदिवासी समाज को भी जागरूक करने का काम किया है। उनके जाने से देश को अपूरणीय क्षती हुई है। खड़गपुर हाईस्कूल में सीआरपी अजित मिश्रा एवं शिक्षकों ने श्रद्धांजलि दिया।

प्रमंडलीय आयुक्त ने किया झंडोतोलन

दुमका : 79वें स्वतंत्रता दिवस पर शुक्रवार को संथाल परगना प्रमंडल के प्रमंडलीय आयुक्त लालचंद दादेल ने पुलिस लाइन दुमका में विधिवत रूप से राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर उन्होंने राज्यवासियों एवं देशवासियों को 79वें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने अपने संदेश में देश की आजादी के लिए बलिदान देने वाले अमर शहीदों को नमन किया तथा सभी से राष्ट्र की एकता, अखंडता और प्रगति में योगदान देने का आह्वान किया। मौके पर शिकारीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र के झारखंड मुक्ति मोर्चा विधायक आलोक कुमार सोरेन, संथाल परगना प्रमंडल के पुलिस महानिरीक्षक शैलेंद्र कुमार सिन्हा, पुलिस उपमहानिरीक्षक अंबर लकड़ा, उपायुक्त अभिजीत सिन्हा, उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान, पुलिस अधीक्षक पीतांबर सिंह खरवार, जिला परिषद् अध्यक्षा जॉयस बेसरा समेत जिला प्रशासन के अधिकारी एवं कर्मी समेत आम जनता मौजूद थे।

आज का दिन सभी देशवासियों के लिए गौरव का दिन : डॉ दुर्गा नन्द झा

संवाददाता

दुमका : स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर भारत स्काउट एवं गाइड, दुमका के जिला मुख्यालय में मुख्य अतिथि क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशक संथाल परगना प्रमंडल डॉ0 दुर्गा नन्द झा ने राष्ट्रीय ध्वज का ध्वजारोहण किया जबकि भारत स्काउट एवं गाइड ध्वज को अतिविशिष्ट अतिथि जिला शिक्षा पदाधिकारी भूतनाथ रजवार ने फहराया। राष्ट्रीय धज का ध्वजारोहण के बाद उपस्थित स्काउट गाइड को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशक डॉ0 दुर्गा नन्द झा ने कहा कि आज का दिन सभी देशवासियों के लिए गौरव का दिन है।डॉ0 झा ने कहा कि वीर स्वतंत्रता सेनानियों के शहादत एवं उनके अथक प्रयास से हमारा राष्ट्र स्वतंत्र हुआ है। आज भी हमारे वीर सैनिक देश की सीमा की रक्षा करते हए शहीद हो जाते हैं आज उन सभी को नमन करने का दिन है। अतिविशिष्ट अतिथि जिला शिक्षा पदाधिकारी भूतनाथ रजवार ने भी भारत माँ के वीर सपूतों को नमन करते हुए कहा कि हमसभी सौभाग्यशाली है कि हमसभी स्वतंत्र राष्ट्र में जन्म लिए है। हमारे कई वीर स्वतंत्रता सेनानी राष्ट्र को गुलामी के दंश से मुक्ति दिलाने के लिए शहीद हो गए। उन वीर स्वतंत्रता सेनानियों के शहादत को देशवासी कभी नही भुलेंगे।आज के दिन हमे प्रण लेना है कि हम अपने राष्ट्र के संप्रभुता के लिए तन मन धन से हमेशा तैयार रहेंगे। मौके पर उपस्थित उपसभापति दिवाकर महतो, मुख्य जिला आयुक्त हरिश्चंद्र चौधरी, पूर्व प्राचार्य अजय कुमार गुप्ता, प्रभारी प्राचार्य महेन्द्र राजहंस, पूर्व प्रभारी प्राचार्य डॉ0 दिलीप कुमार झा,पूर्व प्रधानाध्यापक अशोक कुमार साह, जिला सचिव विजय कुमार दूबे, पूर्व प्रभारी प्राचार्या विभा कुमारी, चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स के सचिव मनोज कुमार घोष, लायंस क्लब के सदस्य रमण वर्मा,गाइड कैप्टन लिली ग्रेस एक्का, जिला संगठन आयुक्त अपरेश कुमार, सेवानिवृत्त शिक्षक शम्भूनाथ मिश्रा, स्काउट मास्टर संजीत कुमार चौधरी,गाइड कैप्टन कुमारी अलका,सहायक स्काउट मास्टर अनुराग नन्दन के अलावे उपस्थित गणमान्य अतिथियों एवं स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी गई।इस अवसर पर परेड कमांडर गुलशन विश्वकर्मा के नेतृत्व में स्काउट गाइड द्वारा पैरेड का आयोजन कर राष्ट्रीय ध्वज को राष्ट्रीय सलामी दी गई।

वॉर 2 और कुली के बीच टक्कर, दोनों को मिल रहा जबरदस्त रिस्पांस

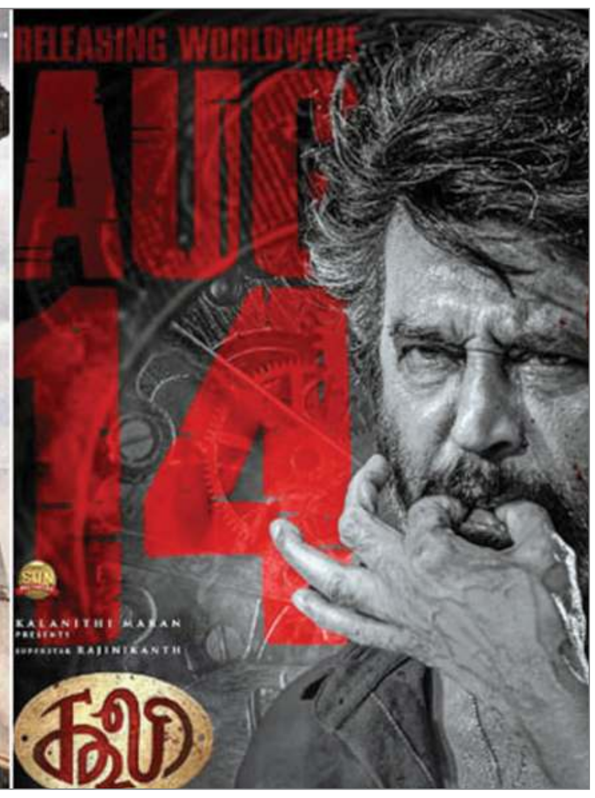

सुपरस्टार ऋतिक रोशन और एनटीआर ने एक विशेष संदेश जारी कर प्रशंसकों, मीडिया और दर्शकों से अनुरोध किया है कि वे वॉर 2 की कहानी के अहम मोड़, ट्विस्ट और सरप्राइज को सोशल मीडिया या किसी भी सार्वजनिक मंच पर साझा न करें, ताकि फिल्म का रोमांच बड़े पर्दे पर ही महसूस किया जा सके। इसी बीच वॉर 2 और साउथ सुपरस्टार रजनीकांत की कुली के बीच भी जबरदस्त टक्कर चल रही है। अब देखना यह है कि वॉर 2 और कुली में फैंस किसे ज्यादा पसंद करते हैं। हालांकि थियेटर्स में दोनों फिल्मों को जबरदस्त रिस्पांस मिल रहा है। अयान मुखर्जी निर्देशित फिल्म वॉर 2 को ऋतिक और एनटीआर ने बेहद प्यार और जुनून से बनाया है।

दोनों का कहना है कि यह एक सिनेमाई स्पेक्टेकल है जिसे सिर्फ सिनेमाघरों में ही अनुभव करना चाहिए। ऋतिक रोशन ने कहा कि वॉर 2 को बहुत प्यार, समय और पैशन के साथ बनाया गया है। इस ड्रामेटिक कहानी के लगातार आने वाले ट्विस्ट और टर्न्स को थिएटर में अपनी आंखों के सामने देखना ही इसका असली अनुभव है। मेरा सभी मीडिया, दर्शक, फैंस से निवेदन है, कृपया किसी भी कीमत पर हमारे स्पॉयलर्स की रक्षा करें। एनटीआर ने कहा कि जब कोई दर्शक थिएटर में वॉर 2 देखने आए, तो उसे वही खुशी, रोमांच और मनोरंजन महसूस हो जो आपने इसे पहली बार देखते हुए किया था। स्पॉयलर्स का कोई मजा नहीं है और यह फिल्म देखने के अनुभव को बहुत प्रभावित करता है। हमें ढेर सारा प्यार दें और वॉर 2 की कहानी सबके लिए एक राज बनी रहने दें, हम आप पर भरोसा कर रहे हैं।

फर्स्ट लुक से पहले ही निशानची ने मचा दी हलचल, सारा अली खान भी फिदा

बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान ने फिल्म निशानची और उसकी स्टारकास्ट की तारीफ की है। अमेजन एमजीएम स्टूडियोज इंडिया ने अपनी आने वाली फिल्म निशानची के फर्स्ट लुक से पहले ही हलचल मचा दी है। एक्शन, ड्रामा और कॉमेडी के तडके से भरपूर ये फर्स्ट लुक एक दमदार, रोमांचक कहानी का वादा करता है, जिसमें हंसी के भी खूब मौके होंगे। कहानी दो भाइयों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो दिखने में एक जैसे हैं, लेकिन सोच और दुनिया में बिल्कुल अलग। उनकी जिंदगी में किए गए फैसले ही उनकी किस्मत तय करते हैं। सारा अली खान ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी दोस्त वेदिका पिंटो और उनकी आने वाली फिल्म निशानची के लिए खूब प्यार जताया है।

फिल्म के टीजर रिलीज होने के बाद सारा ने टीजर का एक क्लिप शेयर करते हुए इसकी जमकर तारीफ की।सारा ने न सिर्फ फिल्म के टीजर की तारीफ की बल्कि लीड स्टार वेदिका के ऑन-स्क्रीन चार्म की भी खूब सराहना की है। उन्होंने लिखा कि लगभग एक हफ्ता हो गया है और मैं अब तक इस पर फिदा हूं! क्या प्रेजेंस है यार मेरी वेदूज पटाखा हो तुम। दिल और रॉकेट इमोजी के साथ सारा की ये पोस्ट वेदिका के लिए एक प्यारा सा शाउट-आउट था, जिसमें उन्होंने अपनी दोस्त की दमदार मौजूदगी का खुलकर जश्न मनाया है। अनुराग कश्यप के निर्देशन में बन रही निशानची एक दमदार मसाला एंटरटेनर साबित होने वाली है। फिल्म में एक्शन, ड्रामा और तडकेदार डायलॉग्स का जबरदस्त कॉम्बिनेशन देखने को मिलेगा। खास बात है इसकी लीड जोड़ी ऐश्वर्य ठाकरे और वेदिका पिंटो की क्रैकलिंग केमिस्ट्री, जो इसे और भी खास बनाती है। यह फिल्म ऐश्वर्य ठाकरे के दमदार एक्टिंग डेब्यू को मार्क करती है, जिसमें वो हाई-ऑक्टेन डबल रोल में नजर आएंगे। उनके साथ वेदिका पिंटो, मोनिका पंवार, मोहम्मद जीशान अयूब और कुमुद मिश्रा जैसे पावरफुल एक्टर्स अहम किरदार निभा रहे हैं। फिल्म निशानची को अजय राय और रंजन सिंह ने जार पिक्चर्स के बैनर तले, फ्लिप फिल्म्स के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है, जबकि इसे प्रसून मिश्रा, रंजन चंदेल और अनुराग कश्यप ने मिलकर लिखा है। यह फिल्म 19 सितंबर को रिलीज होगी।

इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न का हिस्सा बने आमिर खान

बॉलीवुड स्टार और फिल्मकार आमिर खान का कहना है कि वह इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न (आईएफएफएम) 2025 का हिस्सा बनकर बेहद खुश हैं। इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न 2025 की शुरूआत भव्य प्रेस कॉन्फ्रेंस के साथ हुई, जिसमें बॉलीवुड के आमिर खान ने अपने इस साल के आईएफएफएम का हिस्सा बनने को लेकर उत्साह जताया। इस मौके पर आमिर खान के साथ वीर दास, तिलोत्तमा शोम, जिम सर्भ, अदिति राव हैदरी, जयदीप अहलावत, जाने-माने फिल्ममकार शूजीत सरकार, अश्विनी अय्यर तिवारी, आर.एस. प्रसन्ना (निर्देशक सितारे जमीन पर), गायिका लिसा मिश्रा और मशहूर कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा मौजूद थे।

इसके अलावा बख्शो बॉन्डी फिल्म की टैलेंटेड डायरेक्टर तनुश्री दास और उनकी टीम के कलाकार भी मौजूद रहे, क्योंकि यह फिल्म फेस्टिवल की ओपनिंग नाइट फिल्म के तौर पर पेश की जा रही है। इस अवसर पर आमिर खान ने कहा कि मेलबर्न आकर बहुत अच्छा लग रहा है। इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न का हिस्सा बनकर मैं बेहद खुश हूं। यह सिनेमा का एक बेहतरीन मंच है जो लोगों और संस्कृतियों को जोड़ता है। मुझे यकीन है कि इस फेस्टिवल में शामिल होने वाले सभी फिल्में और फिल्मकार एक शानदार अनुभव लेकर जाएंगे। फेस्टिवल डायरेक्टर मीतू भोमिक लांगे ने अपनी खुशी जताते हुए कहा कि हर साल आईएफएफएम अद्भुत कहानियों, बेहतरीन प्रतिभाओं और सिनेमा के उस जुनून को एक मंच पर लाता है जो सीमाओं से परे है। भारतीय सिनेमा की प्रेरणादायक आवाजों का मेलबर्न में शानदार मिलन हुआ है। हमें गर्व है कि हम आमिर खान जैसे दिग्गज, शूजीत सरकार और अश्विनी अय्यर तिवारी जैसे कहानीकार, और ऐसे कलाकारों की मेजबानी कर रहे हैं जिनका अभिनय दुनियाभर के दर्शकों को छू जाता है। इस साल का कार्यक्रम, जिसकी शुरूआत बख्शो बॉन्डी के साथ हो रही है, रचनात्मकता, विविधता और सिनेमा की बेहतरीन मिसाल है। विक्टोरियन सरकार के समर्थन और इतने प्रतिष्ठित मेहमानों की मौजूदगी इस फेस्टिवल को न सिर्फ एक सांस्कृतिक उत्सव बनाती है, बल्कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के रिश्तों को मजबूत करने वाला पुल भी है।

60 करोड़ की धोखाधड़ी, शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा पर केस दर्ज

मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी कुंद्रा और उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ जुहू स्थित एक व्यवसायी से निवेश के बहाने 60.48 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है। इस मामले में पहले प्राथमिकी जुहू पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई थी, जिसे लोटस कैपिटल फाइनेंशियल सर्विसेज के निदेशक दीपक कोठारी (60) की शिकायत पर दर्ज किया गया था।

कोठारी ने आरोप लगाया है कि 2015 से 2023 के बीच उन्होंने कारोबार में विस्तार के लिए दंपति की कंपनी, बेस्ट डील टीवी प्राइवेट लिमिटेड को 60.48 करोड़ रुपए हस्तांतरित किए। शेट्टी दंपति ने तौर पर इस राशि का इस्तेमाल अपने निजी खर्चों के लिए किया था। इस केस में राशि 10 करोड़ रुपए से अधिक होने के कारण मामले की जांच ईओडब्ल्यू को सौंप दी गई है। प्रारंभिक जांच के बाद ईओडब्ल्यू ने शिल्पा शेट्टी, राज कुंद्रा और एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 403 (संपत्ति का बेईमानी से गबन), 406 (आपराधिक विश्वासघात) और 34 (साझा इरादा) के तहत मामला दर्ज किया है।

अपनी औकात में रहो* पाकिस्तानी कहे जाने पर आगबबूला हुए जावेद अख्तर, ट्रोलर्स को सुनाई खरी-खरी

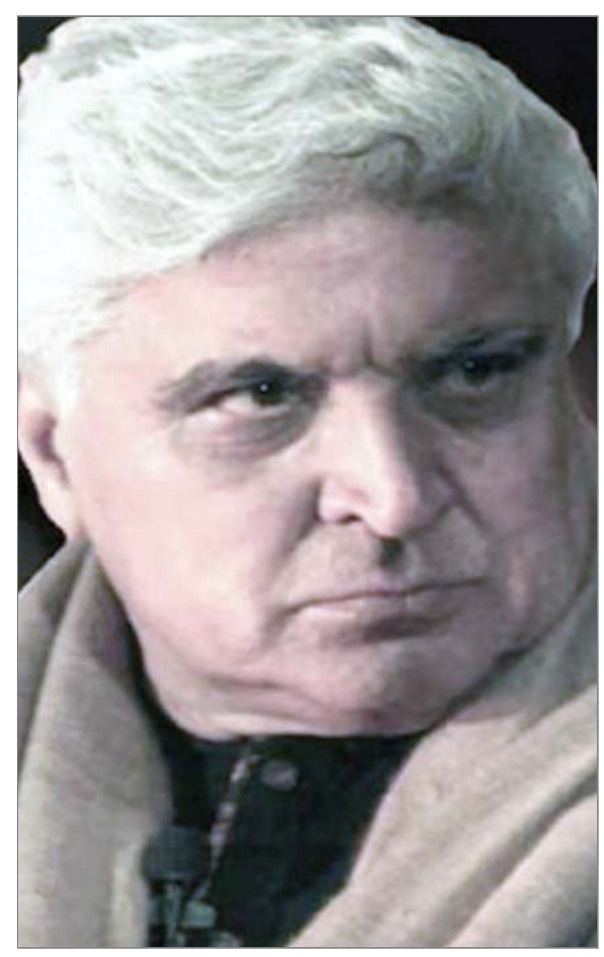

मशहूर गीतकार और लेखक जावेद अख्तर अपने बेबाक अंदाज के लिए अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। स्वतंत्रता दिवस पर देश के प्रति अपने प्रेम को साझा करने के बाद वह एक बार फिर चर्चा में आ गए।

जावेद अख्तर ने 15 अगस्त को सोशल मीडिया पर लिखा, मेरे सभी भारतीय बहनों और भाइयों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। यह आजादी हमें थाली में परोसी नहीं गई। आज हमें उन लोगों को याद कर सलाम करना चाहिए, जिन्होंने जेलों की यातनाएं झेलीं और फांसी पर चढ़ गए। हमें यह सुनिश्चित करना है कि यह अनमोल तोहफा कभी न खोएं।

इस पोस्ट पर एक यूजर ने कमेंट किया, आपका स्वतंत्रता दिवस तो 14 अगस्त है। इस पर जावेद अख्तर गुस्से में आ गए और करारा जवाब देते हुए लिखा, बेटा, जब तुम्हारे बाप-दादा अंग्रेजों के जूते चाट रहे थे, मेरे बुजुर्ग देश की आजादी के लिए काला पानी में मर रहे थे। अपनी औकात में रहो। दरअसल, काला पानी अंडमान की सेलुलर जेल को संदर्भित करता है, जहां स्वतंत्रता सेनानियों को कठोर सजा दी जाती थी।

स्वतंत्रता सेनानी परिवार से नाता : जावेद अख्तर स्वतंत्रता सेनानी परिवार से आते हैं। उनके परदादा फजल-ए-हक खैराबादी (1797-1861) विद्रोह 1857 के दौरान ब्रिटिश शासन के खिलाफ खड़े हुए थे। उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ फतवा जारी किया, जिसके चलते उन्हें अंडमान की सेलुलर जेल में काला पानी की सजा मिली और वहीं उनका निधन हुआ। जावेद अख्तर के दादा मुज्तर खैराबादी और पिता जां निसार अख्तर भी प्रसिद्ध कवि रहे हैं, जिनकी रचनाएं स्वतंत्रता, प्रतिरोध और सामाजिक न्याय की आवाज रही हैं।

इंग्लैंड में शानदार प्रदर्शन करने वाले शुभमन गिल पर मुझे गर्व है: युवराज सिंह

मुंबई: पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह ने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ यादगार टेस्ट सीरीज ड्रा कराने वाले अपने शिष्य और भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल पर मुझे गर्व है। युवराज ने गिल की प्रशंसा करते हुए कहा कि कैसे जुलाई 2025 के लिए आईसीसी पुरुष प्लेयर ऑफ द मंथ चुने गए शुभमन ने अपने विदेशी बल्लेबाजी रिकॉर्ड को लेकर सभी संदेहों को दूर करते हुए टीम की अगुवाई की।

युवराज ने महिला क्रिकेट विश्वकप के 50 डेज टू गो कार्यक्रम के अवसर पर आईसीसी डिजिटल से बातचीत में कहा, ह्लउनके विदेशी रिकॉर्ड पर कई सवालिया निशान थे। वह कप्तान बने और उन्होंने चार टेस्ट शतक बनाए। यह अविश्वसनीय है कि जब आपको जिम्मेदारी दी जाती है, तो आप उसे कैसे लेते हैं। उन्होंने कहा, तो, मुझे उन पर बहुत गर्व है। मुझे लगता है कि यह हमारी जीत है, हालांकि यह एक ड्रॉ सीरीज है, क्योंकि यह एक युवा टीम है और इंग्लैंड में जाकर अच्छा खेलना और खुद को साबित करना आसान नहीं है।

इस पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में 75.40 की औसत से 754 रन बनाने वाले गिल को भारत का प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। इसमें चार शतक शामिल हैं। युवराज ने मैनचेस्टर में चौथा टेस्ट ड्रॉ कराने के लिए ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर की साहसिक और लंबी साझेदारी की भी प्रशंसा करते हुए कहा, टूर्नामेंट में वह पल था जब भारत ने टेस्ट सीरीज ड्रॉ कराई। मैंने बहुत लंबे समय से वाशिंगटन और जडेजा को शतक बनाते और टेस्ट मैच ड्रॉ कराते नहीं देखा। युवराज ने कहा, यह बहुत कुछ कहता है। जाहिर है जडेजा लंबे समय से टीम में हैं। लेकिन मुझे लगता है कि वाशिंगटन सुंदर, एक युवा खिलाड़ी के रूप में टीम में आने के बाद, उन्होंने जो किया वह अविश्वसनीय था।

युवराज ने माना कि पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में भारत का मजबूत प्रदर्शन रहा। यह इसलिए भी खास है क्योंकि उन्होंने ऐसा रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में ऐसा किया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह शानदार है क्योंकि जब आपके पास इंग्लैंड जाने वाली युवा टीम होती है, तो बहुत दबाव होता है। आप विराट कोहली, रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ियों की जगह ले रहे हैं, यह आसान नहीं है। मुझे लगता है कि खिलाड़ियों ने इसका डटकर सामना किया।

राजस्थान ने संजू सैमसन के बदले चेन्नई से मांगे जडेजा, सीएसके ने डील ठुकराई

नई दिल्ली: राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन को रिलीज करने की खबर तेजी से बढ़ रही है। क्रिकबज की रिपोर्ट अनुसार, सैमसन ने राजस्थान रॉयल्स से अलग होने का मन बना लिया है। संजू पिछले ऑक्शन से पहले इंग्लैंड के जोस बटलर के रिलीज किए जाने से नाराज थे। सैमसन के लिए रॉयल्स फ्रेंचाइजी ने चेन्नई सुपर किंग्स से रविंद्र जडेजा, ऋतुराज गायकवाड़ या शिवम दुबे में से किसी एक की मांग की। चेन्नई ने राजस्थान की इस मांग को ठुकरा दिया। चेन्नई से डील नहीं होने के बाद राजस्थान रॉयल्स ने दूसरी टीमों से ट्रेड के ऑप्शन तलाशना करना शुरू कर दिए हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, केकेआर और दिल्ली भी सैमसन को खरीदने में इंटरेस्टेड हैं।

राजस्थान टीम के मालिक मनोज बादले खुद सैमसन की ट्रेड डील पर ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने सभी फ्रेंचाइजी को इस बारे में ऑफिशियल लेटर भी भेज दिया है। लेटर में उन्होंने सैमसन के बदले खिलाड़ियों की मांग भी लिखी है। इसी सिलसिले में टीम ने सीएसके से जडेजा, गायकवाड़ या दुबे की मांग की, जिसे चेन्नई ने ठुकरा दिया। चेन्नई किसी भी बड़े खिलाड़ी को रिलीज करना नहीं चाहती। टीम ने राजस्थान को पैसे के बदले सैमसन को खरीदने की मांग की, जिसे रॉयल्स नहीं मान रही है। अगर ट्रेड पर बात नहीं बनी तो चेन्नई सैमसन को ऑक्शन में खरीदने पर पूरा जोर लगाएगी।

संजू का ऑक्शन में जाना भी मुश्किलः चेन्नई सुपर किंग्स के डील ठुकराने के बाद ही राजस्थान ने बाकी टीमों से बात शुरू की। रिपोर्ट्स के अनुसार, बाकी टीमें भी सैमसन को अपने स्क्वॉड में शामिल करना चाहती हैं। अगर राजस्थान को अच्छी डील मिल गई, तो संजू ऑक्शन से पहले ही दूसरी टीम का हिस्सा बन जाएंगे। जिस कारण ऑक्शन में उनका नाम आ ही नहीं पाएगा। इतना ही नहीं, अगर ट्रेड डील फाइनल नहीं हो पाई, तो राजस्थान सैमसन को रिटेन भी कर सकती है। क्योंकि किसी खिलाड़ी को रिटेन, रिलीज या ट्रैड करने का आखिरी फैसला फ्रेंचाइजी के हक में रहता है। इसमें खिलाड़ी कुछ नहीं कर सकता।

मुंबई में मूसलाधार बारिश का कहर, शहर हुआ जलमग्न, रेड अलर्ट जारी, भूस्खलन से दो की मौत

संवाददाता

मुंबई : देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में हो रही जोरदार बारिश ने जन-जीवन को पूरी तरह से अस्त-व्यस्त कर दिया है। शनिवार, 16 अगस्त की रात से जारी मूसलाधार बारिश के कारण शहर के कई प्रमुख हिस्से जलमग्न हो गए हैं, जिससे परिवहन व्यवस्था ठप पड़ गई है और लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मौसम विभाग ने मुंबई समेत महाराष्ट्र के कई जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, मुंबई के कुरला, चेंबूर, अंधेरी सबवे, मिलान सबवे, किंग्स सर्कल और गांधी मार्केट समेत कई प्रमुख स्थानों पर घुटनों तक पानी भर गया है। गांधी मार्केट जैसे इलाकों में जलजमाव के कारण वाहनों की आवाजाही लगभग रुक गई है। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने एडवाइजरी जारी करते हुए नागरिकों से अपील की है कि जब तक कोई बहुत जरूरी काम न हो, वे अपने घरों से बाहर निकलने से बचें। मौसम विभाग ने मुंबई, पालघर, ठाणे, रायगढ़ और रत्नागिरी जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश की आशंका जताते हुए रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं, नासिक, पुणे, सतारा, जलगांव और गढ़चिरौली के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा कोल्हापुर, अमरावती, वर्धा और नागपुर में येलो अलर्ट है। मौसम विभाग का कहना है कि बंगाल की खाड़ी पर बने कम दबाव के क्षेत्र के कारण यह बारिश हो रही है।

भारी बारिश के कारण मुंबई के विखरोली-घाटकोपर इलाके में स्थित जनकल्याण सोसाइटी में भूस्खलन की एक दुखद घटना भी सामने आई है। 16 अगस्त की रात हुए इस हादसे में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। मौसम विभाग के अनुसार, इस इलाके में 207 मिलीमीटर से अधिक वर्षा दर्ज की गई, जो इस त्रासदी का मुख्य कारण बनी। प्रशासन द्वारा राहत और बचाव कार्य जारी है।

किश्तवाड़ प्रलय में अब तक 65 लोगों की मौत, मलबे में दबी सैकड़ों जिंदगियां

जम्मू: जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के चिशौती गांव में बादल फटने से भारी तबाही हुई है। शनिवार को लगातार तीसरे दिन भी राहत व बचाव कार्य जारी रहा। इस आपदा में अब तक 65 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 100 से अधिक लोग घायल हुए हैं। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने शुक्रवार देर रात पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नलिन प्रभात के साथ प्रभावित गांव का दौरा कर हालात का जायजा लिया। इस दौरान पुलिस, सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, बीआरओ, नागरिक प्रशासन और स्थानीय स्वयंसेवकों द्वारा चलाए जा रहे बचाव अभियानों की समीक्षा की गई। अधिकारियों के अनुसार, अब तक 46 शवों की पहचान हो चुकी है जिन्हें कानूनी औपचारिकताओं के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। वहीं, करीब 75 लोग लापता बताए जा रहे हैं। हालांकि प्रत्यक्षदर्शियों का दावा है कि अचानक आई बाढ़ में सैकड़ों लोग बह गए होंगे और कई मलबे के नीचे दबे हो सकते हैं। मृतकों में सीआईएसएफ के दो जवान और स्थानीय पुलिस का एक विशेष पुलिस अधिकारी (एसपीओ) भी शामिल है।

14 अगस्त को फटा था बादल: यह आपदा 14 अगस्त दोपहर करीब 12:25 बजे मचैल माता यात्रा मार्ग पर स्थित आखिरी गांव चिशौती में आई। बाढ़ और मलबे की चपेट में एक अस्थायी बाजार, सामुदायिक लंगर, सुरक्षा चौकी और आसपास की बस्तियां आ गईं। प्रशासन के मुताबिक, कम से कम 16 घर, कई सरकारी इमारतें, तीन मंदिर, चार पनचक्की, 30 मीटर लंबा पुल और एक दर्जन से ज्यादा वाहन क्षतिग्रस्त हो गए।

अटारी-वाघा बॉर्डर पर रिट्रीट सेरेमनी के समय में बदलाव, अब शाम छह बजे होगा आयोजन

अमृतसर : भारत-पाकिस्तान सीमा पर हर रोज आयोजित होने वाली अटारी-वाघा बॉर्डर रिट्रीट सेरेमनी के समय में बदलाव किया गया है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने जानकारी दी है कि 15 अगस्त के बाद से इस सेरेमनी का नया समय शाम 6:00 बजे से 6:30 बजे तक रहेगा। पहले यह सेरेमनी शाम साढ़े छह बजे शुरू होकर सात बजे तक चलती थी। लेकिन, अब बीएसएफ ने मौसम में आई तब्दीली को देखते हुए समय में यह परिवर्तन किया है।

बीएसएफ अधिकारियों के मुताबिक, बदलते मौसम और जल्दी दिन ढलने के कारण यह फैसला लिया गया है। अब सेरेमनी में शामिल होने आने वाले पर्यटकों को भी अधिक सुविधा होगी। रिट्रीट सेरेमनी देशभक्ति से ओत-प्रोत माहौल और आकर्षक सैन्य प्रदर्शन के कारण हमेशा से ही पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण रही है। भारत-पाकिस्तान सीमा पर होने वाला यह आयोजन हर दिन बड़ी संख्या में देश-विदेश से आने वाले सैलानियों को आकर्षित करता है।

गौरतलब है कि अमृतसर के पास अटारी-वाघा बॉर्डर पर होने वाली यह रिट्रीट सेरेमनी दोनों देशों की सीमा पर 1959 से होने वाला एक अनूठा और उत्साहपूर्ण सैन्य समारोह है, जिसमें राष्ट्रीय झंडे उतारने की प्रक्रिया शामिल होती है। दोनों देशों के सैनिकों की जोशीली परेड के कारण यह सेरेमनी विश्वभर में मशहूर है। अटारी-वाघा जॉइंट चेक पोस्ट अमृतसर से लगभग 30 किमी और पाकिस्तान के लाहौर से 22 किमी दूर है, जहां करीब 25,000 दर्शक बीटिंग रिट्रीट समारोह को देखने आते हैं।

बीटिंग द रिट्रीट को भारत के सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और पाकिस्तान रेंजर्स बखूबी निभाते हैं। जैसे ही सूरज ढलने लगता है, यह भारतीय और पाकिस्तानी सैनिकों की जोशीली परेड के साथ शुरू होती है, जिसका समापन राष्ट्रीय ध्वजों को एक साथ नीचे उतारने के साथ होता है। जैसे ही शाम ढलती है, लोहे के गेट खुल जाते हैं और झंडे एक साथ नीचे उतर आते हैं। झंडे फहराने के बाद, सैनिकों के बीच हाथ मिलाने का एक संक्षिप्त आदान-प्रदान समारोह के समापन का संकेत देता है, जिसके साथ द्वार बंद हो जाते हैं।

न सीजफायर और न ही कोई डील, अलास्का में ट्रंप-पुतिन के बीच हुई तीन घंटे की वार्ता

न्यूयॉर्क : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को अलास्का के एंकोरेज में तीन घंटे की वार्ता के बाद बड़ी सफलता की घोषणा की। ट्रंप ने कहा, ह्लमुझे उम्मीद है कि हम जिस समझौते पर पहुंचे हैं, वह हमें उस लक्ष्य (समाधान खोजने) के और करीब लाने में मदद करेगा और यूक्रेन में शांति का मार्ग प्रशस्त करेगा। मुझे लगता है कि हमारी बैठक बहुत ही उपयोगी रही। ऐसे कई मुद्दे थे जिन पर हम (राष्ट्रपति पुतिन और मैं) सहमत हुए।

यह समझौता भारत के लिए भी महत्वपूर्ण होगा क्योंकि यूएस ने रूसी तेल खरीदने पर भारत पर 25 प्रतिशत दंडात्मक शुल्क की घोषणा की है। हालांकि, अभी किसी भी नेता ने समझौते का कोई विवरण नहीं दिया और न ही यह बताया कि युद्धविराम होगा या नहीं। ट्रंप ने रहस्यमय ढंग से कहा, कुछ बड़े समझौते ऐसे हैं जिन तक हम अभी तक नहीं पहुंच पाए हैं, लेकिन हमने कुछ प्रगति की है। एक समझौता शायद सबसे महत्वपूर्ण है, लेकिन हमारे पास उस तक पहुंचने की बहुत अच्छी संभावना है। हम वहां तक नहीं पहुंच पाए, लेकिन हमारे पास वहां पहुंचने की बहुत अच्छी संभावना है।

उन्होंने कहा, मैं नाटो और उन सभी लोगों को फोन करूंगा जिन्हें मैं उपयुक्त समझता हूं, और निश्चित रूप से, राष्ट्रपति (वोलोदिमिर) जेलेंस्की को फोन करके उन्हें आज की बैठक के बारे में बताऊंगा। शिखर सम्मेलन में जाते हुए, ट्रंप ने कहा कि वह यूक्रेन की ओर से बातचीत नहीं करेंगे, और समझौता करना जेलेंस्की पर निर्भर है। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, इसलिए जब तक समझौता नहीं हो जाता, तब तक कोई समझौता नहीं है। दोनों राष्ट्रपतियों ने पत्रकारों के सवालों के जवाब नहीं दिए। पुतिन ने कहा, हमें टकराव से बातचीत की ओर बढ़ने के लिए स्थिति में सुधार करना होगा।

उन्होंने कहा, इन परिस्थितियों में यह कितना भी अजीब लगे, हमारी (रूस और यूक्रेन की) जड़ें एक ही हैं और जो कुछ भी हो रहा है वह हमारे लिए एक त्रासदी और एक भयानक घाव है। इसलिए, देश ईमानदारी से इसे समाप्त करने में रुचि रखता है। शिखर सम्मेलन की शुरूआत में पहले से तय तीन चरणों को बदलकर, वे सीधे दूसरे चरण में चले गए। इस चरण में ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और विदेश मंत्री मार्को रुबियो, और पुतिन के विदेश नीति सलाहकार यूडी उषाकोवा, रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलौसोव, और विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने हिस्सा लिया।

दिल्ली में फिर दिखा थार का कहर

बेकाबू गाड़ी ने बाइक सवार को रौंदा पांच बच्चों के सिर से उठा पिता का साया

नई दिल्ली : राजधानी दिल्ली में एक बार फिर तेज रफ्तार बेकाबू थार का कहर देखने को मिली। मोती नगर इलाके में कार ने बाइक सवार शख्स को रौंद दिया। इस घटना में बाइक सवार शख्स की मौत हो गई। मृतक शख्स की पहचान बेचू लाल (40) के रूप में हुई है। घटना के बाद से आरोपी कार चालक फरार है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। इससे पहले इसी महीने चाणक्यपुरी इलाके में इसी तरह की घटना सामने आई थी, जहां थार सवार ने दो लोगों को कुचल दिया था, जिनमें से एक की मौत हो गई थी और एक गंभीर रूप से घायल हो गया था।

पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त विचित्र वीर ने बताया कि मध्यरात्रि को मोती नगर थाना पुलिस को एक दुर्घटना की सूचना मिली है। इस दुर्घटना में एक बाइक को थार वाहन ने टक्कर मार दी थी। बाइक सवार की मौके पर मौत हो चुकी थी। घटना के बाद थार का चालक मौके से भाग गया। पुलिस सीसीटीवी कैमरे के जरिए चालक की पहचान कर उसको पकड़ने के लिए दबिश दे रही है। उसे पकड़ने के लिए कई टीमें गठित की गई हैं।

पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त विचित्र वीर ने बताया कि मध्यरात्रि को मोती नगर थाना पुलिस को एक दुर्घटना की सूचना मिली है। इस दुर्घटना में एक बाइक को थार वाहन ने टक्कर मार दी थी। बाइक सवार की मौके पर मौत हो चुकी थी। घटना के बाद थार का चालक मौके से भाग गया।

पांच छोटे बच्चों के सिर से उठा पिता का साया: मृतक बेचू लाल की बहन किरण ने बताया, पुलिसवालों ने हमें एक वीडियो दिखाया और बताया कि उनकी बाइक खड़ी थी और थार ने बाइक को जोर से टक्कर मार दी। उन्होंने कहा कि वे तुरंत कार्रवाई करेंगे और ड्राइवर को जल्द ही पकड़ लेंगे। मेरे भाई के पांच छोटे बच्चे गांव में रहते हैं।

परिवार में अकेला कमाने वाला था बेचू लाल: मृतक के भाई नोमी लाल ने बताया, वह कल रात अपने बेटे को यह कहकर घर से निकले थे कि वह 10 मिनट में वापस आ जाएंगे। पूरी रात उनका बेटा फोन करता रहा और हम उनको ढूंढ़ते रहे। सुबह हमें पता चला कि क्या हुआ था। उन्हें एक कार ने इतनी बुरी तरह टक्कर मारी थी कि उनकी बाइक पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई और उनकी छाती पर चोटें आईं। हम चाहते हैं कि उचित कार्रवाई की जाए। मेरे भाई के पांच बच्चे थे और वह परिवार में अकेले कमाने वाले थे।

1 करोड़ रोजगार, उद्योगों को दोगुनी सब्सिडी और मुफ्त जमीन, चुनाव से पहले नीतीश कुमार का बड़ा ऐलान

पटनाः बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले एक बड़ी घोषणा करते हुए, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि राज्य सरकार अगले पाँच वर्षों में युवाओं को एक करोड़ नौकरियाँ प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार पहले ही सरकारी नौकरियों और अन्य रोजगार के अवसरों के माध्यम से 50 लाख युवाओं को रोजगार प्रदान कर चुकी है, जो 2020 में सात निश्चय-2 कार्यक्रम के तहत निर्धारित लक्ष्य है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि 2020 में सात निश्चय-2 के तहत की गई घोषणा

के क्रम में हमारी सरकार ने 50 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी एवं रोजगार देने के लक्ष्य को पूरा कर लिया है।

नीतीश ने प्रतियोगी परीक्षाओं की प्रारंभिक परीक्षा के लिए एकसमान 100 रुपये शुल्क की घोषणा की : नीतीश ने आगे कहा कि अब हमारी सरकार ने अगले 5 वर्षों में 1 करोड़ युवाओं को नौकरी एवं रोजगार देने का लक्ष्य रखा है। राज्य में उद्योग लगाने और स्वरोजगार करने वालों को कई प्रकार की सुविधाएं देकर सरकार उन्हें प्रोत्साहित कर रही है। अब बिहार में उद्योग लगाने के लिए उद्यमियों को विशेष आर्थिक पैकेज दिया जाएगा। निजी क्षेत्रों को बिहार में उद्योग लगाने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए सरकार द्वारा विशेष आर्थिक पैकेज देने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत कैपिटल सब्सिडी, ब्याज सब्सिडी तथा जीएसटी के लिए दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि को दोगुना किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उद्योग लगाने के लिए सभी जिलों में जमीन की व्यवस्था की जाएगी तथा ज्यादा रोजगार देने वाले उद्योगों को मुफ्त में जमीन दी जाएगी। उद्योग लगाने हेतु आवंटित भूमि से संबंधित विवादों को समाप्त किया जाएगा। यह सारी सुविधाएं अगले 6 महीने में उद्योग लगाने वाले उद्यमियों को दी जाएंगी।

आलोचना के बाद आईसीआईसीआई बैंक ने घटाई मिनिमम बैलेंस की लिमिट

नई दिल्ली: निजी क्षेत्र के आईसीआईसीआई बैंक ने आलोचनाओं के बाद नए बचत खातों के लिए न्यूनतम औसत बैलेंस की लिमिट 50 हजार रुपए से घटाकर 15 हजार रुपए कर दी है। बैंक ने अपनी वेबसाइट पर लिखा, हमारे ग्राहकों से मिले बहुमूल्य फीडबैक के बाद हमने इन अर्हताओं में बदलाव किया है, ताकि वे ग्राहकों की आकांक्षाओं को ज्यादा बेहतर तरीके से प्रतिबिंबित कर सकें। इससे पहले आईसीआईसीआई बैंक ने एक अगस्त 2025 या उसके बाद खोले गये बचत खातों के लिए मेट्रो तथा दूसरे शहरों के लिए औसत बैलेंस की न्यूनतम सीमा 10 हजार रुपए से बढ़ाकर 50 हजार रुपए कर दी थी। अर्धशहरी इलाकों के लिए यह सीमा 25 हजार रुपए और ग्रामीण इलाकों के लिए 10 हजार रुपए कर दी गई थी। यह दूसरे निजी बैंकों की तुलना में काफी अधिक है। बैंक ने बताया कि मेट्रो तथा अन्य शहरों के लिए औसत न्यूनतम बैलेंस की अर्हता 50 हजार रुपए से घटाकर 15 हजार रुपए कर दी गई है। यह एक सितंबर से प्रभावी होगी। अर्धशहरी इलाकों के ग्राहकों को अब कम से कम 7,500 रुपए और ग्रामीण इलाकों के ग्राहकों को 2,500 रुपए का न्यूनतम बैलेंस रखना होगा।

जुलाई में यात्री वाहनों की बिक्री 0.2 प्रतिशत घटी

नई दिल्ली: दुपहिया वाहनों के खंड में अच्छे प्रदर्शन के कारण वाहन निमार्ता कंपनियों ने इस साल जुलाई में घरेलू बाजार में 19,77,442 वाहन बेचे जो जुलाई 2024 के 18,42,296 वाहनों की तुलना में 7.33 प्रतिशत अधिक है। यात्री वाहनों की बिक्री में एक साल पहले के मुकाबले जहां गिरावट दर्ज की गई, वहीं दुपहिया वाहनों में तेजी रही।

भारतीय वाहन निमार्ता कंपनियों के संगठन सियाम के आंकड़ों के अनुसार, गत जुलाई में यात्री वाहनों की कुल बिक्री 0.2 प्रतिशत घटकर 3,40,772 इकाई

पर रह गई। दुपहिया के खंड में स्कूटरों की बिक्री में 16.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह 6,43,169 इकाई रही। मोटरसाइकिल की बिक्री 4.7 फीसदी बढ़कर 8,90,107 इकाई पर पहुंच गई। मोपेड में 9.5 प्रतिशत की गिरावट देखी गई।

घरेलू बाजार में तिपहिया की मांग मजबूत रहने से इसकी बिक्री 17.5 प्रतिशत बढ़कर 69,403 इकाई पर पहुंच गई जो जुलाई महीने के लिए नया रिकॉर्ड है। विशेष रूप से यात्री तिपहिया वाहनों की बिक्री 21.4 प्रतिशत बढ़ी और 58,693 इकाई हो गयी। माल वाहक तिपहिया वाहनों की बिक्री भी 10.6 प्रतिशत बढ़ी जबकि ई-रिक्शा की बिक्री 53.3 फीसदी घट गयी।

सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने कहा कि जुलाई में वाहन उद्योग की बिक्री के प्रदर्शन में स्थिरता रही, हालांकि यात्री वाहनों के खंड में सुस्ती रही। वहीं, तिपहिया वाहनों ने किसी भी साल में जुलाई महीने की बिक्री का नया रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने कहा कि त्योहारों का मौसम शुरू हो चुका है और अगस्त के अंत में ओणम भी है इसके मद्देनजर भारतीय वाहन उद्योग आने वाले महीनों में मांग बढ़ने की उम्मीद करता है।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मंत्री सुदिव्य कुमार ने किया ध्वजारोहण, बोले

गिरिडीह को शिक्षा का हब बनाने का ले चुके हैं संकल्प

संवाददाता

गिरिडीह : स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर खेलकूद एवं युवा कार्य मंत्री सुदिव्य कुमार ने ध्वजारोहण किया. गिरिडीह में 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह कार्यक्रम झंडा मैदान में आयोजित किया गया. इस दौरान मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि गिरिडीह शिक्षा के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाने के लिए अग्रसर है.

गिरिडीह को शिक्षा का हब बनाने का संकल्प

मंत्री सुदिव्य कुमार ने बताया कि आबादी की दृष्टिकोण से गिरिडीह झारखंड के सबसे बड़े जिलों में से एक है. ऐसे में सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के अलावा विकास की राशि का सबसे बड़ा भाग इस जिले को मिलता है. मंत्री सुदिव्य कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में गिरिडीह को शिक्षा का हब बनाने की दिशा में लगातार तेजी से काम हो रहा है.

मेडिकल कॉलेज को मिली सैद्धांतिक मंजूरीः मंत्री सुदिव्य कुमार

खेलकूद एवं युवा कार्य मंत्री सुदिव्य कुमार ने बताया कि गिरिडीह जिले में, सर जेसी बोस के नाम पर यूनिवर्सिटी की सहमति मिल चुकी है. इसके साथ ही इंजीनियरिंग कॉलेज के लिए भी राज्य सरकार की मंजूरी मिल चुकी है. जिले में पॉलिटेक्निक कॉलेज की स्थापना के लिए तेजी से काम चल रहा है है. मंत्री सुदिव्य कुमार ने आगे बताया कि पिछले दिनों उन्होंने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात की थी. जिसके तहत गिरिडीह में मेडिकल कॉलेज को सैद्धांतिक मंजूरी मिली है. ऐसे में आने वाले दिनों में

यहां मेडिकल कॉलेज भी बनेगा और शिक्षा का हब बनेगा. परेड की सलामी ली

इस दौरान मंत्री सुदिव्य कुमार ने डीसी रामनिवास यादव और एसपी डॉक्टर बिमल कुमार के साथ परेड की सलामी ली. इस दौरान सदर एसडीपीओ जीतवाहन उरांव, मुफस्सिल इंस्पेक्टर श्याम किशोर महतो समेत कइयों को सम्मानित किया. इस दौरान बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति दी.

79वें स्वतंत्रता दिवस

झारखंड समेत पूरे गिरिडीह जिले में स्वतंत्रता दिवस समारोह की धूम रही. जहां समहरणालय में डीसी रामनिवास यादव, पुलिस लाइन में एसपी डॉ. बिमल कुमार, बनियाडीह स्थित सीसीएल कार्यालय में जीएम गिरीश कुमार राठौड़, एसडीपीओ कार्यालय में एसडीपीओ जीतवाहन उरांव, गिरिडीह प्रखंड मुख्यालय में प्रमुख पूनम देवी, मुफ्फसिल थाना में इंस्पेक्टर श्याम किशोर महतो, नगर थाना में इंस्पेक्टर ज्ञान रंजन, पचम्बा थाना में थाना प्रभारी राजीव कुमार, बगोदर थाना में थाना प्रभारी विनय कुमार यादव, धनवार थाना में सतेंद्र कुमार पाल, महेशलुंडी पंचायत में मुखिया शिवनाथ साव ने ध्वजारोहण किया. इसके अलावा सभी सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थान ने तिरंगा फहराया गया.

बच्चों को मिला पुरुस्कार

महेशलुंडी पंचायत में आयोजित समारोह में बीडीओ गणेश रजक ने भी संबोधित किया. यहां व्योवृद्ध भोला प्रसाद को सम्मानित किया गया. इस दौरान महेशलुंडी पंचायत में गरीब बच्चों के लिए संचालित निःशुल्क शिक्षा केंद्र को बीडीओ ने पुरुस्कृत किया. इस दौरान बीडीओ ने कहा कि सेवा भाव से किया जा रहा यह कार्य प्रशंसा के काबिल है.

सेंट्रल ग्राउंड डीवीसी केटीपीएस में स्वतंत्रता दिवस मना

कोडरमा : 79 वें स्वतंत्रता दिवस केंद्रीय मैदान, डीवीसी केटीपीएस में महान उत्साह और देशभक्ति के साथ मनाया गया था। राष्ट्रीय ध्वज को सुबह 9:00 बजे मनोज कुमार ठाकुर, सीजीएम एंड हॉप, डीवीसी केटीपीएस द्वारा ध्वजारोहण किया गया। तत्पश्चात राष्ट्रगान, गार्ड ऑफ ऑनर और केटीपी और उनके परिवार के सदस्यों के डीवीसीआईएन के लिए एक प्रेरणादायक पता दिया गया। अपने भाषण में, श्री ठाकुर ने स्वतंत्रता के महत्व, डीवीसी द्वारा निभाई गई निर्णायक भूमिका, डीवीसी केटीपी की उपलब्धियों और मान्यताओं और डीवीसीआईएन और सीआईएसएफ कार्मिक द्वारा दिखाए गए सेवा की भावना पर प्रकाश डाला। उन्होंने कर्मचारियों, सीआईएसएफ कर्मचारियों और उन बच्चों के योगदान को भी सम्मानित किया, जिन्होंने वॉल पेंटिंग और अन्य प्रतियोगिताओं जैसी गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

प्रोजेक्ट बालिका+2 विद्यालय के प्रांगण में 79 वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया

संवाददाता

चरपोखरीः आज स्थानीय प्रोजेक्ट बालिका+2 विद्यालय चरपोखरी के प्रांगण में 79 वां स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रखंड विकास पदाधिकारी के साथ थानाध्यक्ष, चरपोखरी प्रमुख के साथ ढेरों गणमान्य व्यक्ति के गरिमामय उपस्थिति में झंडोत्तोलन संपन्न हुआ। प्रभारी प्रधानाध्यापक अजय राय के द्वारा राष्ट्रीय सम्मान के साथ झंडोत्तोलन संपन्न हुआ। अपने संबोधन में श्री राय ने कहा की यह आजादी हमें ऐसे ही नहीं मिली,बल्कि हमारे पूर्वजों ने ,वीर शहीदों ने अपने जानो कि आहुतियां दी है। भारत विविधताओं का देश है, यहां तरह तरह की संस्कृति भिन्न शैली की भाषा व भाखा बोली जाती है, हमसभी इस गौरवशाली क्षण का गवाह है। उपस्थित सभी लोगों का हम सामूहिक रूप से स्वागत अभिनन्दन करते हैं। इस अवसर पर

विद्यालय प्रांगण में भव्य रंगोली छात्राओं ने मिलकर सृजित किया था। झंडोत्तोलन के बाद कला प्रेक्षागृह में छात्राओं द्वारा गीत संगीत का भी आयोजन संयोजित हुआ। संगीत शिक्षक प्रमोद कुमार ने समूह गीतों से उपस्थित शिक्षकों छात्राओं के बीच सांस्कृतिक माहौल सृजित कर दिया। देश हित और देशभक्ति गीतों से सजा यह आयोजन भारतीय संस्कृति को कलागत समग्रता से जोड़ता नजर आया। कला प्रेक्षागृह में संबोधित करते हुए अंशिका कुमारी, रिंकी कुमारी, रविनंदनी जी ने कहा कि हम आज आजाद है,लेकिन हमारे पूर्वजों ने इसका कीमत चुकाया है । हमें भारतीय संस्कृति समग्र शैलीगत सभ्यता को बचा कर, संवार कर रखना है। वहीं शिक्षिका पिंकी कुमारी इंदू यादव, रिंकल कुमारी, प्रीति कुमारी, अर्चना कुमारी ने भी इस अवसर पर बारी बारी से संबोधित किया। झंडोत्तोलन के समय दो मुख्य छात्राओं ने तिरंगा रंग के लिवास में पुरे आयोजन को नियंत्रित करते हुए बहुत मौलिक अंदाज में दिख रही थी। विद्यालय प्रांगण में बना रंगोली भारतीय परंपरागत शैली के रूप स्वरूप को कलात्मकता के साथ खुद में समेटे,सबके मन मस्तिष्क को उद्वेलित कर रहा था। संस्कृत शिक्षक सुनित त्रिपाठी, सुकेश कुमार, सुधांशु शर्मा, मनोज कुमार, चर्चिल टैगोर सभा को संबोधित कर देश हित क्या होता है छात्राओं को अवगत कराया। आयोजन संचालित कर रहे थे चित्रकार रौशन राय, अपने संचालन क्रम में देश के अमर शहीदों को याद करते हुए ढेरों देश हित में शब्दावली गढ़ी। विद्यालय प्रांगण गांव घर के लोगों के साथ छात्राओं शिक्षकों से भरा हुआ था। उपस्थित छात्राओं में मुख्य सुरभि कुमारी, बेबी कुमारी, ज्योति कुमारी, गुड़िया कुमारी, रागिनी कुमारी, निराशा कुमारी,मिना देवी, रौशनी कुमारी आदि उपस्थित थे।

क्लोरोफिल प्ले स्कूल में जन्माष्टमी की धूम

झुमरी तिलैया : स्थानीय महाराणा प्रताप चौक स्थित क्लोरोफिल स्कूल में जन्माष्टमी की कई आकर्षक झांकियां प्रस्तुत की जिसमें प्रमुख रूप से - मटकी फोड़, नंद-यशोदा, यशोदा मैया संग कान्हा, राधाकृष्ण, वृंदावन में रासलीला, माखनचोर देवकीनंदन में सारे बच्चों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। पालने में नन्हे कन्हैया की झांकी बच्चों को खूब भा रही थी। प्राचार्य कंचन अग्रवाल ने बताया कि ऐसे अवसरों का हम पूरा लाभ उठाते हैं और आयोजन में सारे बच्चों को शामिल करते हैं जिसकी वजह से हमारे स्कूल में संकोची बच्चे भी खुलते हैं।

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकमानाएं

केदार महतो
अधिवक्ता
खूंटी

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकमानाएं
Fully Computerised lab with advance technology

दिल्ली पैथो सेन्टर
अव्वल मुहल्ला, काली मन्दिर के नजदीक
मेन रोड, चतरा- 825401
DELHI PATHO CENTRE CHATRA ESTD. 1991
All Biochemistry test done by Automated Biochemistry Analyzer, Heamatology Test done by CBC Fully automated analyser, Nyco card reader Analyser II
Authorize Collection Centre
Dr Lal PathLabs
India's leading and most reputed diagnostic chain
SECTOR-18, BLOCK-E
Rohini, New Delhi-110001
Mazhar-ul-Haque
M.Sc. (Microbiology)
(NIMS MEDICAL NIMSUNIVERSITY JAIPUR)
Mob.: 9431333107

ब्लू बेल इंग्लिश मीडियम स्कूल में स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मना

वरीय पत्रकार विनय मिश्रा ने झंडोत्तोलन किया

शिक्षा के क्षेत्र में अपना बेहतर और उत्कृष्ट पहचान रखने वाला ब्लू बेल इंग्लिश मीडियम स्कूल पंडित हाता में आज स्वतंत्रता दिवस के 79 में अवसर पर ब्लू बैलेंस मीडियम स्कूल में झंडोत्तोलन हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर वरीय पत्रकार विनय मिश्रा ने झंडोत्तोलन किया और झंडे को सलामी दी । इस मौके पर मुख्य रूप से विद्यालय के प्राचार्य श्रीमती शेफाली दत्ता के साथ-साथ सभी शिक्षक गण उपस्थित थे वही

विद्यालय के विद्यार्थियों ने देशभक्ति पोशाक धारण कर लोगों को भाव विभोर कर दिया इसके अलावे विद्यालय परिसर में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने पर लोगों ने इसे काफी सराहा है। गौरतलब हो कि ब्लू बेल इंग्लिश मीडियम स्कूल अपने बेहतर शैक्षणिक व्यवस्था और अनुशासन के फल स्वरुप अपना बेहतर पहचान रखता है इस अवसर पर शिक्षिका सुषमा कुमारी, मिस सुमन, मिस रोजी ,मिस कांति के अलावा शिक्षक अमन गुप्ता भी मुख्य रूप से उपस्थित थे।

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकमानाएं

विनोद जयसवाल
अध्यक्ष
विश्व हिन्दू परिषद
जिला, खूंटी

पलामू के कुख्यात नक्सली अवधेश यादव पर 5 लाख का इनाम

गिरफ्तारी, मारे जाने या आत्मसमर्पण पर तत्काल राज्य सरकार को दी जाएगी सूचना

बिनय मिश्रा

मेदिनीनगर : पुलिस उप-महानिरीक्षक, पलामू क्षेत्र ने प्रतिबंधित नक्सली संगठन जेजेएमपी के कुख्यात फरार उग्रवादी अवधेश यादव उर्फ अखिलेश यादव पर 5 लाख रुपये के इनाम की घोषणा की है। अवधेश यादव, पिता गुली यादव, निवासी हुटाई, थाना पांकी, जिला पलामू का नाम राज्य के शीर्ष फरार नक्सलियों में शामिल है। डीआईजी नौशाद आलम ने आदेश में स्पष्ट किया है कि गिरफ्तारी, मारे जाने या आत्मसमर्पण की स्थिति में तत्काल सूचना झारखंड सरकार के गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग के साथ-साथ डीआईजी कार्यालय को भी दी जाए। साथ ही, इनाम घोषणा से पूर्व संबंधित नक्सली के वर्गीकरण की पुष्टि पुलिस अधीक्षक स्वयं करेंगे।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी व मां मनसा देवी पूजा पर सिल्ली, झारखंड एवं समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

निवेदक
धनपति महतो
नरेंद्र मोदी विचार मंच युवा शाखा के केंद्रीय अध्यक्ष सह सिल्ली विस क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी

दाघानि DVC Damodar Valley Corporation
कोडरमा ताप विद्युत केंद्र, कोडरमा की ओर से समस्त जिलावासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनायें।
अगस्त 15 स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं...

सी०एस०आर०, को०ता०वि० के०, डी०वी०सी० के द्वारा किये गए कार्य :-

- प्रभावित गाँव में निरंतर आधारभूत सरंचना निर्माण, सामाजिक आर्थिक, उन्नयन कार्य ।
- महिलाओ के सशक्तिकरण, स्वावलंबन एव कौशल विकास हेतु सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र संचालित ।
- महिलाओ के सशक्तिकरण ओडीओपी (एक जिला एक उत्पाद) के तहत आलू चिप्स और बाजरा प्रसंस्करण इकाई की स्थापना के लिए रु. तीस लाख रुपये) जिला प्रशासन, कोडरमा को वितीय सहायता दी गयी।
- पर्यावरण संरक्षण व ग्रामीण जीवकोपार्जन हेतु फलदार पौधे का वितरण ।
- प्रति वर्ष मुफ्त मोतियाबिंद जांच व ऑपरेशन शिविर का आयोजन ।
- खेलकूद प्रोत्साहन के लिय मुफ्त खेल सामग्री का वितरण ।
- गाँव में चालन चिकित्सा वाहन द्वारा ग्रामीणों को मुफ्त स्वास्थ्य जाँच व दवा सुविधा की व्यवस्था ।
- सरकारी विद्यालयो में पेयजल सुविधा के लिय वाटर प्युरिफायर व् कूलर व्यवस्था ।
- आंगनबाड़ी केन्द्रों के सुदृढीकरण लिये जमा आधार पर जिला प्रशासन को **42** लाख रुपये की धनराशि सौंपी गयी ।
- जिले के चिहित स्थानों पर हाई मास्ट लाइट की व्यवस्था की गयी ।
- सी०एस०आर०, को.ता.वि. के. के पोषक क्षेत्र के दो उच्च विद्यालय घंघरी व् जयपुर कांको में स्मार्ट क्लासेज की व्यवस्था ।

पुनर्वास एवं पुनस्थापना नीति के तहत वृतिका भुगतान की अद्यतन स्थित:-

पीए०एफ०एस की संख्या-7410 ।
मासिक वृतिका पाने वाले की संख्या- 6459 ।
बांड हस्ताक्षर हेतु लंबित संचिका - 83
सूची में दोवारा नाम वाले पीए०एफ०एस की संख्या : 126 ।
पीए०एफ०एस द्वारा अब तक अप्राप्त आवेदनों की संख्या 742.

अप्राप्त आवेदको से निवेदन है कि आप अपना आवेदन पत्र नियमानुसार के.टी.पी.एस के प्रशासनिक भवन के कार्यालय में जमा करे

मनोज कुमार ठाकुर
मुख्य महाप्रबंधक सह परियोजना प्रधान
डी.वी.सी. के.टी.पी.एस.
बांझेडीह कोडरमा

"हमसे है लाखों चेहरों पे मुस्कान"
"हमारा प्रयास समग्र विकास"